मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 183
शनिवार, 18 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

दिल्ली में फिलहाल नहीं लागू होगी आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना, हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक

नई दिल्ली, 17 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष अदालत का आदेश दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ दिल्ली सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आया, जिसमें आप सरकार को आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में पेश होते हुए दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हाई कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच सत्ता की साझेदारी को फिर से परिभाषित किया है। सिंघवी ने शीर्ष अदालत के समक्ष पेश होते हुए कहा वे हमें मजबूर नहीं कर सकते। हाई कोर्ट मुझे नीतिगत मामलों पर केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए कैसे मजबूर कर सकता है? दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र की आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए कहा है कि यह पहले से मौजूद स्वास्थ्य देखभाल पहलों को कमतर करने जैसा होगा। सरकार की प्रमुख आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत, 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक के कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज के हकदार हैं। यह प्रमुख सर्जरी, पुरानी बीमारी के उपचार और विशेष स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई प्रकार की स्थितियों के लिए अस्पताल में भर्ती होने के खर्चों को कवर करता है जो उम्र बढ़ने के साथ और अधिक आवश्यक हो जाते हैं।

निर्वाचन आयोग मिल्कीपुर उपचुनाव अपनी कड़ी निगरानी में कराए: अखिलेश यादव

लखनऊ, 17 जनवरी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया कि वह अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में अधिकारियों की तैनाती का संज्ञान लेने के साथ अपनी कड़ी निगरानी में यह उपचुनाव कराए।

सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा चुनाव आयोग मिल्कीपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के पक्षपाती अधिकारियों की तैनाती का संज्ञान ले और अपनी निष्पक्ष कार्यशैली की स्वस्थ परंपरा को सुनिश्चित करते हुए अपनी कड़ी निगरानी में चुनाव करवाए।

यादव ने इसी पोस्ट में अयोध्या

में तैनात पुलिस अधिकारियों के ब्योरे का एक स्केच भी साझा किया है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कुल 19 पुलिस अधिकारियों में सिर्फ तीन पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अधिकारी हैं। कुल तैनाती में पीडीए की हिस्सेदारी तीन प्रतिशत बतायी गयी है। सपा के अवधेश प्रसाद के फैजाबाद (अयोध्या) से सांसद चुने जाने के बाद मिल्कीपुर सीट रिक्त हुई है। प्रसाद 2022 के विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर से निर्वाचित हुए थे। मिल्कीपुर में उपचुनाव के लिये पांच फरवरी को मतदान होना है और मतों की गिनती आठ फरवरी को होगी। भाजपा ने मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए चंद्रभान पासवान को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि समाजवादी पार्टी ने फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारकर समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार का समर्थन करने का फैसला किया है, जो इंडिया गठबंधन का एक घटक दल है।

ट्रक और बस की टक्कर में चार यात्रियों की मौत, 15 घायल

चित्तूर, 17 जनवरी। चित्तूर में एक बस और डंपर ट्रक की टक्कर में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजकर 15 मिनट पर चित्तूर जिले के गजुलापल्ली गांव में हुई। चित्तूर के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी टी. साईनाथ ने बताया, चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। घायलों में से चार की हालत गंभीर है और 11 लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

उन्होंने बताया कि मदुरै जा रही बस तिरुपति से 26 यात्रियों के साथ आई थी। पुलिस ने बताया कि ट्रक ने बस को किनारे से टक्कर मारी। साईनाथ ने बताया कि घायल यात्रियों को सीएमसी वेल्लोर, एसवीआईएमएस और अन्य स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 106 के तहत मामला दर्ज कर लिया और फिलहाल ट्रक चालक फरार है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नेतृत्व क्षमता होने की जरूरत : डी के शिवकुमार

बेंगलुरु, 17 जनवरी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि उनके पास कांग्रेस की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष पद है जिसे महज प्रबल इच्छा से प्राप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्य के हर घटनाक्रम की जानकारी है और उन्हें इन चीजों के बारे में पार्टी नेतृत्व (खरगे) को जानकारी देने की जरूरत नहीं है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने पदों की तलाश नहीं की थी। ये ऐसी भूमिकाएं हैं जो नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमताओं के बलबूते अर्जित की जाती हैं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में ऐसे पदों की पेशकश इन्हीं गुणों के आधार पर की जाती है। मैं दूसरी

पार्टियों के बारे में नहीं कह सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की चचाएं मीडिया में नहीं होनी चाहिए, क्योंकि पार्टी उनसे निपट लेगी। शिवकुमार ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक से हैं और वह पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं तथा प्रखंड(ब्लॉक) अध्यक्ष से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा, उनके (खरगे के) आंख-कान खुले हैं और वह हर घटनाक्रम से अवगत हैं। मुझे उनसे इस बारे में चर्चा करने की जरूरत नहीं है। शिवकुमार से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने कर्नाटक के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदले जाने के बारे में पार्टी में चल रही चर्चा का मुद्दा (केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष) उठाया है तो उन्होंने कहा कि उसकी जरूरत ही नहीं है क्योंकि उनके (खरगे के) पास पहले से सारी सूचनाएं हैं।

शिवकुमार का बयान ऐसे समय में आया है जब लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकिहोली ने यह कहते हुए पूर्णकालिक प्रदेश अध्यक्ष की मांग की है कि मंत्री पार्टी एवं संगठन के कामकाज को वक्त नहीं दे पाते हैं। जारकिहोली की प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई, जहां विधायकों एवं मंत्रियों को नेतृत्व परिवर्तन, मंत्रिमंडल में विस्तार या नये प्रदेश अध्यक्ष की मांग के बारे में मीडिया के सामने कुछ नहीं बोलने के सख्त निर्देश दिये गये।

पूर्वोत्तर में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां मणिपुर में : मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

मणिपुर। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में मणिपुर में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) के व्यवसाय पंजीकरण की संख्या सबसे अधिक है। सिंह ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय की 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार राज्य ने 2015 और 2019 के बीच 12,438 एमएसएमई व्यवसाय पंजीकृत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र नए भारत का विकास इंजन बनने के लिए तैयार है। मणिपुर के लोगों के अत्यधिक उद्यमशील होने की बात पर जोर देते हुए सिंह ने कहा, केवल इस राज्य में 2015 और 2019 के बीच 12,438 एमएसएमई व्यवसाय हैं।

ग्लेशियरो, पेड़-पौधों और प्रकृति की रक्षा के लिए मतदान करना होगा: सोनम वांगचुक

कोलकाता। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से पर्यावरण के मुद्दों पर मतदान करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि ग्लेशियरों को पिघलने से रोकने, पौधों को बचाने और प्रकृति मां की रक्षा के लिए वोट डाला जाना चाहिए। लद्दाख के छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन के संस्थापक-निदेशक, 58 वर्षीय हरित कार्यकर्ता वांगचुक ने बृहस्पतिवार को शहर में एक कार्यक्रम में कहा, आदर्श रूप से, हमारे पास विधायी और संसदीय निकायों में ऐसे जनप्रतिनिधि होने चाहिए जो पर्यावरण और जलवायु मुद्दों पर निरंतर और अधिक सक्रियता से काम करें। उन्होंने नागरिकों को लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करने तथा मतपत्र (ईवीएम) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम प्रकृति, लद्दाख और जलवायु परिवर्तन पर चिंतनः सोनम वांगचुक के साथ बातचीत में वांगचुक से पूछा गया कि क्या वे अपने हरित मिशन में किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेंगे? उन्होंने कहा मैं कहूंगा कि अगर (पर्यावरण को बचाने में) कोई बदलाव नहीं होता है, तो सरकार को बदलना होगा। लेकिन हर पार्टी को हरित पार्टी में बदलना चाहिए, बजाय इसके कि लोग व्यक्तिगत रूप से किसी बड़े राजनीतिक नेता से संपर्क करें। यही हमारा मिशन होना चाहिए। वर्ष 2009 में आई आमिर खान की फिल्म 3 इडियट्स में फुनसुख वांगडू के काल्पनिक चरित्र की प्रेरणा देने के लिए चर्चित वांगचुक ने कहा कि किसी भी उचित कारण और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लंबे समय में वांछित परिणाम देती है। रामन मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित पर्यावरण कार्यकर्ता ने कहा केवल 150 साल पहले, अमेरिका में गोरों के एकमात्र अधिकार क्षेत्र से लंबी लड़ाई के बाद अश्वेतों के मतदान के अधिकार समुदाय द्वारा छीन लिए गए थे।

उन्नाव रेप के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को लगा झटका, 20 जनवरी को सरेंडर करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में चिकित्सा आधार पर निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई अंतरिम जमानत बढ़ाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा की पीठ ने राहत को और बढ़ाने की मांग करने वाली सेंगर की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया और मामले को 27 जनवरी को दूसरी पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा की पीठ ने राहत को और बढ़ाने की मांग करने वाली सेंगर की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया और मामले को 27 जनवरी को दूसरी पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया।2019 में ट्रायल कोर्ट के जज रहते हुए जस्टिस धर्मेश शर्मा ने सेंगर को मामले में दोषी ठहराया और सजा सुनाई। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि हम शामिल नहीं हो रहे हैं। आप पहले आत्मसमर्पण करें, हम विचार करेंगे। सेंगर के वकील ने इस आधार पर विस्तार की मांग की कि अगले सप्ताह एम्स में उनकी आंख की सर्जरी होनी है।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति का प्रमुख स्तंभ है सिंगापुर: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 17 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है और बढ़ती द्विपक्षीय साझेदारी से दोनों देशों के लोगों को काफी लाभ होगा। राष्ट्रपति भवन में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-सिंगापुर सहयोग ने हाल के वर्षों में और गति पकड़ी है। उन्होंने षणमुगरत्नम के सम्मान में एक भोज का आयोजन भी किया। मुर्मू ने कहा कि सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत के हमारे दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, लोकतांत्रिक मूल्यों में हमारा साझा विश्वास भी हमें एक-दूसरे से जोड़ता है।

प्रजापति समाज मुंबई (रजि.)
कार्यालय : ०१, वीरभारत मण्डल को. ऑप. ही. सोसायटी, हॉल रोड, कुर्ला गाँव, कुर्ला (प.), मुंबई - ४०० ०७०.
मोबाईल : 7738887659 / 9833404471 / 9821008139 / 9820084918 / 9869111979 / 9930344071
Email: prajapatisajmumbai0@gmail.com Website: www.prajapatisamajmumbai.in
४९ वाँ
वार्षिक सम्मेलन
२६ जनवरी २०२५
सप्रेम निमंत्रण
मुख्य अतिथि
श्री. राजेश प्रजापति
BE Gold Medalist CMD
Prajapati Contraction Ltd.
श्री. शैलेश घेडिया CA
BJP Mumbai
Professional Cell President
अतिथि
डॉ. प्रमोद आर भोगावकर
MD Gynaecologist Obstetrician
Akshya Nursing Home Badlapur
सौ. डॉ. उमा भोगावकर
MAN
डॉ. रामलाल प्रजापति
MS DNB Associate professor Surgeon
(Seth GS Medical Callage KEM Hospital)
डॉ. कन्हैयालाल कुम्भकार
MBBS. MD. DM (Cardio)
Interventional Cardiologist
डॉ. शशिकला प्रजापति
(MD Ayurveda)
Arogyadham Ayurved Clinic
डॉ. महारुद्र कुंभार
(OSD Seven Hill Hospital & Health)
श्रीमती. उषा प्रजापति
(B Com FCA ACS LLB DISA ICAI)
श्री. रामचंद्र प्रजापति
(Director - ATS Clearing Agency)
श्री. लालचंद प्रजापति
(Businessman)
श्री. मनोज कुमार प्रजापति
(Police Inspector Crime Branch Mumbai)
अॅड. श्री. रामसूरत प्रजापति
(President Gujarat Kamdar Seva Sangh Vapi)
प्रो. जगदीश प्रजापति
(Vice Princepal - Bhavan's Junior College Andheri)
श्री. विजयकुमार प्रजापति
(B.Com FCA)
श्री. राजेश प्रजापति
(CMD Prajapati Foundry Pune)
श्री. अरुणकुमार प्रजापति
(CMD Nisha Engineering Pune)
श्री. संजय राजे
(Editor Kumbhashree)
माधवी प्रेमचंद प्रजापति
(CA)
डॉ. शिवकुमार प्रजापति
(Msc. Phd, Director Precilab)
प्रो. श्याम प्रजापति
(BE Mtech Ph. D (IIT Guwahati Design)
Asst. Director,
Associate Proferror & Additional
HOD of Industrial Design
(Karnavati University)
उद्घाटनकर्ता
श्री. नंदकिशोर प्रजापति
(Businessman)
श्री. सतिश प्रजापति
(Businessman)
निमंत्रक
श्री. रामजन्म प्रजापति
अध्यक्ष - प्रजापति समाज मुंबई
कार्यकारी अध्यक्ष
श्री. शरद प्रजापति
श्री. रामजन्म प्रजापति (LIC)
समय : दोपहर १.०० से रात ७.३० बजे तक
स्थान - प्यारेलाल प्रजापति हॉल, सेक्टर नं. १, ऐरोली, नवी मुंबई.

SALVATION HOSPITAL
The Culture of Care
साल्वेशन हॉस्पिटल
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना
संबद्ध अस्पताल
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री
जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
24 घंटे Emergency Services
आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी
डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653
नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर) 9138828282, 8686867547

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी नागूकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
बीमा कार्ड धारकों के लिए सबसे सुसज्जित प्राईवेट वार्ड तथा सबसे अच्छी चिकित्सा व्यवस्था
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

धर्म बांटने की नहीं, जोड़ने की जीवन पद्धति है

-ललित गर्ग

विश्व धर्म दिवस हर साल जनवरी के तीसरे रविवार यानी इस वर्ष 19 जनवरी को मनाया जा रहा है। यह दिन दुनिया के सभी धर्मों की विविधता और संस्कृति का जश्न मनाने का दिन है। इस दिन को मनाने का मकसद, धर्मों के बीच समझ, सौहार्द और शांति को बढ़ाना है क्योंकि धर्म दीप नहीं, चिराग नहीं, बिजली नहीं, बल्कि यह सूर्य है और उसी की भांति यह बिना किसी भेदभाव के सबको आलोक एवं मंगल बांटता है। धर्म जीवन का अभिन्न अंग है, तत्व है। इसके अस्तित्व को नकारने का अर्थ है स्वयं के अस्तित्व को नकारना। दुनिया में असंख्य लोग जिस सबसे गहरी श्रद्धा के साथ जिसे पूजते हैं, वह धर्म है। धर्म ही कामधेनु है, धर्म ही कल्पतरु है। जिसने धर्म को सही रूप में स्वीकार कर लिया, समझ लीजिये कि उसने जीवन की सर्वोच्च निधि को प्राप्त कर लिया। धर्म की इसी महत्ता के कारण विश्व धर्म दिवस की शुरूआत साल 1950 में संयुक्त राज्य अमेरिका के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा ने की थी। बहाई धर्म के अनुयायियों का मानना है कि सभी धर्मों में समान विशेषताएं हैं और उनका समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए। प्रारंभ में एक बहाई अनुष्ठान के रूप में विश्व धर्म दिवस धर्म की एकता और प्रगतिशील रहस्योद्घाटन के बहाई सिद्धांतों से प्रेरित था, जो धर्म को मानवता के इतिहास में निरंतर विकसित होने के रूप में वर्णित करता है। यह उन विचारों को उजागर करके इन सिद्धांतों को बढ़ावा देता है कि दुनिया के धर्मों में अंतर्निहित आध्यात्मिक सिद्धांत सामंजस्यपूर्ण हैं और धर्म मानवता को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज इस दिवस की सर्वाधिक प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है।

आज की दुनिया में, जहां सांस्कृतिक और धार्मिक तनाव अक्सर सुर्खियों में छाए रहते हैं, विश्व धर्म दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हमारे मतभेदों के बावजूद, हम एक समान मानवता, शांति और कल्याण की सार्वभौमिक इच्छा साझा करते हैं। अंतर-धार्मिक संवाद के माध्यम से, हम एक-दूसरे की मान्यताओं और परंपराओं के बारे में जान सकते हैं, गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं और आपसी समझ के पुल बना सकते हैं। इससे सहिष्णुता, सम्मान और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जो अंततः एक अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण दुनिया का मार्ग प्रशस्त करता है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा धर्म है। यही कारण है कि यहां अनेक धर्म पल्लवित एवं पुष्पित हुए हैं। सबने अपने-अपने ढंग से धर्म की व्याख्या की है। सुप्रसिद्ध लेखक लार्ड मोर्ले ने लिखा है, ह्यह्यआज तक धर्म की लगभग दस हजार परिभाषाएं हो चुकी हैं, पर उनमें भी जैन, बौद्ध आदि कितने ही धर्म इन परिभाषाओं से बाहर रह जाते हैं।ह्णह्ण लार्ड मोर्ले की इस बात से यह चिंतन उभर कर सामने आता है कि ये सब परिभाषाएं धर्म-सम्प्रदाय की हुई है, धर्म की नहीं। सम्प्रदाय अनेक हो सकते हैं, पर उनमें निहित धर्म का संदेश सबका एक है। पंथ, संप्रदाय या वर्ग तक ही धर्म को सीमित नहीं किया जा सकता। धर्म बहुत व्यापक है। धर्म न तो पंथ, मत, संप्रदाय मंदिर या मस्जिद में है और न धर्म के नाम पर पुकारी जाने वाली पुस्तकों में धर्म है। धर्म तो सत्य, करूणा और अहिंसा है। आत्मशुद्धि का साधन है। जीवन परिवर्तन एवं उसे सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। जिन लोगों ने सामाजिक सहयोग को धर्म का ताना-बाना पहना दिया है, किसी को भोजन देना, वस्त्र की कमी में सहायता प्रदान करना, रोग आदि का उपचार करना अध्यात्म धर्म नहीं, किन्तु पारस्परिक सहयोग है, लौकिक धर्म है।

इनदिनों प्रयागराज में चल रहा महाकुंभ, भारतीय धर्म और संस्कृति का प्रतीक है जो दुनिया को एकजुट करने का सशक्त माध्यम है। यह दुनिया भर में सनातन धर्म की महत्ता को दिखाता है। महाकुंभ में शामिल होने से आध्यात्मिक लाभ मिलते हैं और पाप धुल जाते हैं। यह सनातन धर्म का सबसे अहम और पवित्र आयोजन है जिसमें शामिल होने से मोक्ष मिलता है, आत्मा की शुद्धि होती है। कुंभ हो या हज यात्रा या फिर क्रिश्चयन समुदाय का वेटिकन मास, धर्म की पुकार सदियों से इंसानों को एक स्थान पर खींचती आई है। हर सभ्यता में मनुष्य एक तय समय पर अपने ही जैसे विश्वास के लोगों से मिलता है और धार्मिक अनुष्ठान कर एक बेहतर दुनिया एवं जिंदगी की कामना करता है। धर्म और आस्था की डोरी सदियों से मानवों को अपनी ओर खींचती आई है। धर्म का भाव, मुक्ति की कामना लाखों लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। इसलिए ऐसी गतिविधियों में मनुष्य बिना बुलाये ही भारी संख्या में जमा हो जाता है। दुनिया में हर स्थान पर धार्मिक क्रियाओं के लिए हर कोने में एक निश्चित जगह पर लाखों-करोड़ों लोग जमा होते हैं। सनातन, बहाई, इस्लाम, ईसाइयत हर धर्म के लोग अपनी परंपरा को मनाने के लिए एक निश्चित स्थान पर जमा होते हैं। मान्यता है कि सनातन में कुंभ की परंपरा लगभग 2500 साल से ज्यादा समय से चलती आ रही है, इस्लाम के मानने वाले लगभग 1400 सालों से हज पर जाते रहे हैं जबकि क्रिश्चयन समुदाय के लोग 1700 सालों से ईस्टर संडे मनाते आ रहे हैं। वेटिकन मास का आयोजन भी सालों से होता आ रहा है।

धर्म जीवन का रूपान्तरण करता है। पर जिनमें धर्म से परिवर्तन घटित नहीं होता उन धार्मिकों ने शायद धर्म के वास्तविक स्वरूप को आत्मसात नहीं किया है। उन धार्मिकों से हैरान हो जाना चाहिए जो वर्षों से धर्म करते आ रहे हैं, किंतु जीवन में परिवर्तन नहीं आ रहा है। धार्मिक की सबसे बड़ी पहचान है कि वह प्रेम और करुणा से भरा होता है। धार्मिक होकर भी व्यक्ति लड़ाई, झगड़े, दंगे-फसाद करे, यह देखकर आश्चर्य होता है। धार्मिक अधर्म से लड़े, असत्य से लड़े, बुराई से लड़े यह तो समझ में आता है, किन्तु एक धार्मिक दूसरे धार्मिक से लड़े, यह दुख का विषय है। धार्मिक होने की पहली प्राथमिकता है नैतिकता। धार्मिक होकर यदि व्यक्ति नैतिक नहीं है तो यह धर्म के क्षेत्र का सबसे बड़ा विरोधाभास है। आज देश की लगभग -एक अरब पचास करोड़ की आबादी में -सौ करोड़ जनता धार्मिक मिल सकती है पर जहां तक ईमानदारी एवं नैतिकता का प्रश्न है, -दो करोड़ भी संभव नहीं है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बेईमान धार्मिकों की संख्या अधिक है। एक धार्मिक कहलाने वाला व्यक्ति चरित्रहीन हो, हिंसा पर उतारू हो, आक्रांता हो, धोखाधड़ी करनेवाला हो, छुआछूत में उलझा हुआ हो, भ्रष्टाचार करता हो, दहेज के नाम पर बालिकाओं का उत्पीड़न करता हो और भी अनेक अनैतिक आचरण करता हो, क्या वह धार्मिक कहलाने का अधिकारी है? पुत्र, पत्नी, परिवार, पैसा, पद-प्रतिष्ठा इनके पीछे आम आदमी जहां पागल बना दौड़ रहा है, वहां इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि इन सबसे ऊपर की चीज सुख-शांति का रास्ता अजाना-अचीन्हा मार्ग धर्म है। धर्म शून्य व्यक्ति बाहर से सब कुछ पाकर भी अंतस्‌ में रिक्तता का अनुभव करता है। धार्मिक व्यक्ति वस्तु जगत की न्यूनता को भी आंतरिक संपदा के कारण पूर्णता में बदल देता है। क्योंकि वह जानता है पदार्थ सापेक्ष सुख अस्थायी है। धार्मिक आस्था और सम्यक आचरण से होने वाली सुखानुभूति स्थायी होती है। भारतीय मनीषा में धर्म केवल ईश्वरीय आस्था ही नहीं है, वह वैश्विक व्यवस्था है। सृष्टि का सार्वभौम, सर्वकालिक नियम है। जीवन पद्धति है। धर्म मजहबी विश्वास या बंधन नहीं है। वह आंतरिक प्रकाश है, ज्ञान और आनंदमयी चेतना का स्पंदन है। धर्म वह आचार-संहिता है, जिसमें सर्वोदय-सबका अभ्युदय, सबका विकास निहित है। इसलिये विश्व धर्म दिवस मनाते हुए हमें धर्म के वास्तविक स्वरूप को अंगीकार करना चाहिए। धर्म मनुष्यता का मंत्र है, उन्नति का तंत्र है। पशुता को मनुजता में रूपांतरित करने का यंत्र है। धर्म एक मयार्दा है, वह जीवन को मर्यादित करता है। व्यक्ति और समाज की उच्छृंखल वृत्तियों-प्रवृत्तियों का नियमन करता है। धर्म सम्मत जीवन वह है, जहां मनुष्य किसी भी प्राणी को हानि पहुंचाएं बिना नैतिक समाज में अपनी मिसाल खड़ी कर सके। बिना किसी को कष्ट दिए, स्वयं सत्कर्म में लगा रहे। क्योंकि धर्म उत्कृष्ट मंगल है-समस्त विघ्न, बाधाओं, कष्टों का निवारक, सिद्धिदायक, यह विश्वशांति का अमोघ साधन है।

भारत में बढ़ता बंदरगाहों का जाल भारत की प्रगति का द्योतक

अशोक भाटिया

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बंदरगाहों की भूमिका महत्वपूर्ण है, और भारत के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकरण के लिए अपने बंदरगाहों और लंबी तटरेखा की शक्ति का उपयोग करने का एक लंबा इतिहास है। हमारा देश वैश्विक रसद और सुरक्षा दोनों के लिए बंदरगाहों और जलमार्गों पर तेजी से निर्भर हो गया है। पिछले कुछ वर्षों में, हमने स्थानीय और विदेशी बंदरगाहों से मिलने वाली सैन्य सहायता पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

पिछले साल हमारे देश के अमृत काल में प्रवेश के क्रम में, मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बंदरगाह क्षेत्र पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें भारतीय बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने वाली दो प्रमुख पहल-मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 (एमआईवी), 2021 में लॉन्च की गईं। और सागरमाला परियोजना, 2017 में लॉन्च की गई। जहाजरानी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत का 95% विदेशी व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है।

एमआईवी मुख्य रूप से अंतर्देशीय जल परिवहन पर ध्यान केंद्रित करता है और 2030 तक अपनी हिस्सेदारी को 5% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। इसमें बंदरगाह बुनियादी ढांचे, रसद दक्षता, प्रौद्योगिकी, नीति ढांचे, जहाज निर्माण, तटीय शिपिंग, अंतर्देशीय जलमार्ग, क्रूज पर्यटन सहित 10 क्षेत्रों में 150 पहल शामिल हैं। , समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, और समुद्री सुरक्षा। सागरमाला परियोजना, जिसका अर्थ है ह्यसागर की मालाह्ण, भारत में एक सरकारी पहल है जो देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। प्राथमिक लक्ष्य जलमार्गों और विस्तृत समुद्र तट की क्षमता का दोहन करना है, जिससे निर्दिष्ट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे के निवेश की आवश्यकता को कम किया जा सके। इसके उद्देश्यों में नए मेगा बंदरगाहों की स्थापना, मौजूदा बंदरगाहों को उन्नत करना, 14 तटीय आर्थिक क्षेत्र (सीईजेड) और तटीय आर्थिक इकाइयों का विकास करना, सड़क, रेल, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, पाइपलाइन और जलमार्ग के माध्यम से बंदरगाह कनेक्टिविटी में सुधार करना शामिल है। यह निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के माध्यम से तटीय समुदायों के विकास को भी प्राथमिकता देता है। हालाँकि, बंदरगाहों के लिए मोदी सरकार के दबाव में जो बात वास्तव में सामने आती है, वह विदेशी बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय समुद्री नेटवर्क में केंद्रीय स्थान पर रखने के लिए उनकी सरकार का दबाव है। स्थानीय बंदरगाहों पर ध्यान केंद्रित करने और वैश्विक व्यापार के लिए उनकी क्षमता का उपयोग करने के अलावा, जिससे भारत को भारी आर्थिक लाभ हुआ है, सरकार ने भारत की समुद्री जागरूकता और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इसके नियंत्रण को भी बढ़ाया है। बंदरगाहों की छमता के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन अत्याधुनिक और प्रमुख प्लेटफार्म का एक ही दिन नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाना मजबूत तथा आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण तथा नौसेना को 21 वीं सदी के अनुरूप सशक्त बनाने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। मोदी ने बुधवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी की नौसेना को सशक्त बनाने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं और आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है। नरेन्द्र मोदी के अनुसार यह पहली बार हो रहा है जब एक डिस्ट्रॉयर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है और सबसे गर्व की बात है कि ये तीनों ही प्रमुख प्लेटफार्म मेड इन इंडिया हैं। आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है। उनके कहे के अनुसार आज भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में पहले मदद का हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है। जल हो, थल हो, नभ हो या गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है।

गौरतलब है कि भारत की तटरेखा 7,517 किलोमीटर है। देश के विशाल तट पर 13 प्रमुख और 212 छोटे बंदरगाह हैं। पूर्वी तट पर प्रमुख बंदरगाह हल्दिया, पारादीप, विशाखापत्तनम, कामराज, चेन्नई, तूतीकोरिन और पोर्ट ब्लेयर हैं। पश्चिमी तट पर कोचीन, न्यू मैंगलोर, मुरमुगाओ। जवाहरलाल नेहरू, कांडला और मुंबई बंदरगाह हैं।

भारतीय बंदरगाह सदियों से अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं और वैश्विक व्यापार के माध्यम से विदेशी व्यापार और बंदरगाहों का विकास जारी है। वर्तमान में, भारत का 95 प्रतिशत व्यापार महाद्वीपों के माध्यम से और 70 प्रतिशत व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से होता है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार होने के नाते, भारतीय बंदरगाहों ने तटीय राज्यों को देश में औद्योगिक विकास के लिए पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। बंदरगाहों से सटे क्षेत्र औद्योगिक विकास को चलाने वाले प्रमुख कारकों में से एक है। भारत रणनीतिक रूप से अपने बंदरगाहों को समुद्री व्यापार का केंद्र बिंदु बनाने के लिए आगे बढ़ रहा है। निजी बंदरगाहों को प्रोत्साहित किया गया है। भारत कार्गो और जहाजों को संभालने में दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अपने बंदरगाहों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है। अरब सागर तट पर स्थित, महाराष्ट्र भारत में बंदरगाह व्यापार के लिए एक प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र में लगभग 48 छोटे बंदरगाह और दो प्रमुख बंदरगाह, मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह हैं।

बंदरगाह समुद्री क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और राज्य के व्यापार और उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाराष्ट्र के बड़े और छोटे बंदरगाह राज्य के लिए महत्वपूर्ण हैं और देश के समग्र कल्याण और व्यापार को बढ़ावा देते हैं। बंदरगाहों को जहाज के क्षेत्र, गहराई, कार्य और आकार की श्रेणी के अनुसार विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है। अंतर्देशीय बंदरगाह, मछली पकड़ने के बंदरगाह, गर्म पानी के बंदरगाह, शुष्क बंदरगाह और समुद्री बंदरगाह उनकी भौगोलिक विशेषताओं और संचालन की प्रकृति के अनुसार सबसे आम प्रकार के बंदरगाह हैं।

बंदरगाह समुद्री और भूमि परिवहन के बीच वितरण श्रृंखला में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। मुंबई शहर में स्थित बंदरगाह रेल और सड़क मार्ग से देश के अन्य हिस्सों से जुड़े हुए हैं। इन बंदरगाहों का उपयोग देश के अधिकांश माल ढुलाई, खरीद और ट्रांस-शिपमेंट के लिए किया जाता है। मुंबई के बंदरगाहों से व्यापार सालों पहले शुरू हुआ था। मुंबई के पूर्वी तट पर विभिन्न झटके कपास आयात और निर्यात के प्रमुख केंद्र थे। इसी से स्वतंत्रता पूर्व काल में बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट की स्थापना हुई थी। बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट, जिसे अब मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के रूप में जाना जाता है, के मुंबई के पूर्वी तट पर कुल 63 जहाज स्थापना बेस और सात झटके हैं। ये सभी सात झटके सालाना लगभग 70 मिलियन टन कार्गो संभालते हैं। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) को न्हावाशेवा में शुरू किया गया था। बंदरगाह को अब जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) के रूप में जाना जाता है। बंदरगाह का धीरे-धीरे विस्तार किया गया।

आज, इसमें चार बड़े कंटेनर डिपो, तीन बड़े जेट्टी हैं जो भारी जहाजों को समायोजित कर सकते हैं और 100 से अधिक जहाजों को समायोजित करने के लिए एक आधार है। इसमें एक विशेष आर्थिक क्षेत्र भी शामिल है। यह खठढअ को देश में कार्गो हैंडलिंग में अग्रणी बनाता है। बंदरगाह विभिन्न भारतीय बंदरगाहों के बीच कंटेनर यातायात का 55 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, दहानू महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड के तहत संचालित छोटे बंदरगाहों में से एक है। तारापुर, धर्मतार, उल्वा-बेलापुर, ट्रॉम्बे, रेवदांडा, दिघी, दाभोल, बनकोट, केल्शी, रत्नागिरी, विजगड, जयगढ़ कुछ बंदरगाह हैं। पालघर जिले के दहानू तालुका में 76,200 करोड़ रुपये की कुल लागत से बधावन बंदरगाह बन रहा है। इस बंदरगाह के लिए, 'न्यू पालघर' स्टेशन अब वनगांव के पास आएगा। इस स्टेशन का उपयोग बधावन में माल ढुलाई के लिए रेलवे कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया जाएगा। यह दुनिया का पांचवा सबसे बड़ा बंदरगाह होगा। तदनुसार, बंदरगाह से जहाजों द्वारा माल की आवाजाही के लिए बंदरगाह को सीधे सड़कों और रेलवे से जोड़ना अनिवार्य है।

इस संबंध में, JNPA ने रेलवे के अलावा मुंबई-दिल्ली कॉरिडोर के तहत बनाए जा रहे नए राजमार्ग के साथ बंदरगाह को जोड़ने की योजना बनाई है। यह राजमार्ग बधावन से 22 किमी दूर है। इसके लिए एक विशेष सड़क का निर्माण किया जाएगा। मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (मुख्य रूप से मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग) बधावन से 34 किमी दूर तवा में स्थित है। बधावन बंदरगाह के कारण बधावन से तवा तक एक विशेष सड़क का निर्माण भी किया जाएगा। योजना 30-32 लाख स्थानीय लोगों को रोजगार देने की है।

बाधावन बंदरगाह देश का एकमात्र प्राकृतिक बंदरगाह है जिसकी गहराई समुद्र तट पर 20 मीटर से अधिक है। जेएनपीए की वर्तमान में 15 मीटर की गहराई है और यह 17,000 कंटेनरों (टीईयू) की क्षमता वाले जहाजों को लंगर डालने में सक्षम होगा।बंदरगाह पर एक हजार टन से अधिक जहाज आ और जा सकते हैं। देश की हैंडलिंग क्षमता बधावन पत्तन के पूरा होने के बाद पूरी हो जाएगी। यह देश के बुनियादी ढांचे और कारोबारी माहौल को भी बढ़ावा देगा। बधावन बंदरगाह JNPT से एक महत्वपूर्ण अंतर से आगे निकल जाएगा क्योंकि इसकी क्षमता तीन गुना हो गई है। दस जिलों में 392 गांवों से गुजरने वाला समृद्धि राजमार्ग क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम चेंजर होने की उम्मीद है। नया बधावन बंदरगाह इन जिलों के कृषि वस्तुओं और औद्योगिक उत्पादों को विदेशी बाजार तक अधिक तेजी से पहुंचने में सक्षम करेगा। इस बंदरगाह के विकास से ग्रामीण महाराष्ट्र के आर्थिक विकास में तेजी आएगी। इससे किसानों और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। बेशक इस पोर्ट के विरोध को देखते हुए इसके निर्माण की राह आसान नहीं है। आने वाले दिनों में सरकार को राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखानी चाहिए और भूमिपुत्रों के साथ अन्याय किए बिना इस बंदरगाह का निर्माण करना चाहिए। अनुमान है कि इस काम को पूरा करने में लगभग दो दशक लगेंगे। अगर उस समय से भी कम समय में बंदरगाह विकसित हो जाता है, तो यह देश के लिए अच्छी बात होगी।

अनेकता में एकता का प्रतीक महाकुंभ

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला।

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक-पर्व होकर यह मेला सहस्त्र वर्षों से जन-विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवन प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश के समवेत सांस्कृतिक जीवन का व्यावहारिक उदाहरण है। इन्हीं पर्वों-मेलों ने हमारी भारतीयता (राष्ट्रीयता) को प्राणवान बनाए रखा है। हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि-मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु-सन्तों ने लोकांचलों में निवास करने वाले पठित-अपठित साधारण जनों तक पहुंचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवंत आस्था

और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विश्व से जोड़ता है, इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। विश्वासों की इन मयार्दाओं के परिवेश में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य-तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति सभ्यता को गुलामी के कालखंड से नष्ट करने की तमाम कोशिशों के बावजूद हम ज्यूं के त्यूं खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यह शक्ति प्राप्त होती रही है।

इस प्रकार शरीर रूपी घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ-पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग-युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाए हुए है। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भीह्यमृत्यंमार्मूतं गमय की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्वेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आकर्षित करती रही है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इन कुंभ पर्वों ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखकर राष्ट्रीय जीवन संदर्भों के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है। जब कोई महाकुंभ पड़ता है तब जन भावना, उमंगित हृदय और संकल्पित मस्तिष्क को लेकर कुंभ स्थलों की ओर उमड़ पड़ती है। हर आयु वर्ग एवं जाति-वर्ग के लोग, प्रदेशों की सीमाओं को लांघते हुए गरीब-अमीर के दायरों को तोड़ते हुए अनेक भाषा-बोलियों में शब्द-साधना करते हुए परम अमृत की कामना से अपने स्व (सीमित) को पर (परम) में समर्पित करने के लिए संकल्पशील दिखाई देते हैं।

सागर-सरिताओं के तट पर ऐसे आस्थाशील श्रद्धालुओं के गतिशील चरण, भारत भूमि के कण-कण को, रागात्मक संबंधों से जोड़ते हुए महाराग का वस्त्र बुनते रहे हैं। सरिताओं के तट पर विशाल जन समाज को देखकर ऐसा लगता है मानो नए भाव-विधान वाले ऐसे आस्थाशील लोगों का एक नया नगर ही बस गया हो। यह जन-आस्था निर्जन प्रदेश को भी जनाकूल बना देती है। सालों साल प्रयाग के त्रिवेणी के तट पर कुंभ या अर्द्धकुंभ के बाद इस बार महाकुंभ का पावन अवसर आया है। जहां सैंकड़ों झोंपड़ियां, लाखों ध्वजा पताकाएं दिखाई देती हैं। यहां नाना वेशधारी साधु-सन्तों के संगठनों की अथवा नाना योगियों की जमातें अपनी परम्पराओं को निभाने के लिए अपनी आन-बान-शान के साथ अपना नाम अस्तित्व प्रदर्शत कर रही हैं। पवित्र कुंभ का रंग ही ऐसा होता है, जो हर तरह के पर्यटकों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करता है। जो लोग भारत दर्शन के लिए आना चाहते हैं, उन्हें पूरे भारत की विविधता एक जगह सिमटी हुई मिल जाती है और जो लोग आध्यात्मिक टूरिज्म पर आना चाहते हैं, उनके लिए तो इससे भव्य आयोजन कोई हो ही नहीं सकता।

चीनी यात्री ह्यू एन सांग(सन 629-45ई$) ने अपने यात्रा विवरणों में सम्राट हर्षवर्धन द्वारा प्रयाग के कुंभ-अर्द्धकुंभ पर्वों पर सर्वस्व दान करने का उल्लेख किया है। इसी प्रकार हरिद्वार में सम्पन्न होने वाले कुंभोत्सवों का भी अपना विशेष महत्व रहा है। अकबर बादशाह ने ऐसे ही अवसरों पर तीर्थ यात्रियों पर लगने वाला जजिया सन 1564 ई. में उठा लिया था किन्तु औरंगजेब ने हरिद्वार में पड़े वाले कुंभ से पहले ही सन्‌ 1678-79 में जजिया फिर से लगा दिया था। इस बार के महाकुंभ को योगी आदित्यनाथ ने दिव्य भव्यता के साथ डिजिटल भी बना दिया है। आज सामाजिक-सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के अवमूल्यन के माहौल में जातीय अस्मिता एवं राष्ट्रीय एकता के खतरों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सांस्कृतिक उत्सवों के समायोजन की बड़ी आवश्यकता अनुभव की जाती है।

-निरंकार सिंह

हॉलीवुड जलकर हो रहा है खाक

आज से 50 साल पहले इस्कॉन के संस्थापक आचार्य स्वामी प्रभुपाद कार में कैलिफोर्निया हाईवे पर जा रहे थे। खिड़की के बाहर दूर से बहुमंजिला अट्टालिकाओं की कतार दिखाई दे रही थी। श्रील प्रभुपाद के मुंह से अचानक निकला कि इन लोगों ने रावण की सोने की लंका बनाकर खड़ी कर दी है जो एक दिन खाक हो जाएगी। जिस तेजी से लॉस एंजल्स का हॉलीवुड इलाका भयावह आग की चपेट में हर क्षण खाक हो रहा है, उससे 50 वर्ष पूर्व की गई एक सिद्ध संत की भविष्यवाणी सत्य हो रही है। कैलिफोर्निया राज्य के शहर लॉस एंजल्स के जंगलों में फैली आग भयावह रूप लेती जा रही है। अब तक इस आग की चपेट में 6 जंगल आ चुके हैं और इसका दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। आग की वजह से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 2 लाख से अधिक लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है। तेज हवा राहत कार्यों में बाधक बन रही है। 4 लाख से अधिक घरों की बिजली कटी हुई है।

कैलिफोर्निया के इतिहास में इसे सबसे विनाशकारी हादसा बताया जा रहा है। शुरू में महज 10 एकड़ के इलाके में लगी यह आग कुछ ही दिनों में 17,200 एकड़ में फैल गई। पूरे शहर में धुएं के बादल छाए हुए हैं। इस भयावह आग से अभी तक अनुमानित लगभग 135-150 अरब डॉलर (12 हजार अरब रुपयों) का नुकसान हो चुका है। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री पैरिस हिल्टन के मकान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। मालिबू नगर में समुद्र के किनारे बने फिल्मी सितारों के खूबसूरत घर अब मलबे में तबदील हो चुके हैं और इनके केवल जले हुए अवशेष ही बचे हैं। अमरीका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का घर भी खतरे में है। इसके चलते उनके घर को भी खाली कराया गया है। राजनीति, उद्योग और सिने जगत की कई जानी-मानी हस्तियों के आलीशान मकानों को भी खाली करने के आदेश जारी हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि लॉस एंजल्स अमरीका की सबसे ज्यादा आबादी वाला काऊंटी है। यहां 1 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। कैलिफोर्निया में कई सालों से सूखे के हालात हैं। इलाके में नमी की कमी है। इसके अलावा यह राज्य अमरीका के दूसरे इलाकों की तुलना में काफी गर्म है। यही वजह है कि यहां पर गर्मी के मौसम में अक्सर जंगलों में आग लग जाती है। यह सिलसिला बारिश का मौसम आने तक जारी रहता है। बीते कुछ सालों से हर मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले 50 सालों में कैलिफो?नया के जंगलों में 78 से ज्यादा बार आग लग चुकी है। कैलिफोर्निया में जंगलों के पास रिहायशी इलाके बढ़े हैं। ऐसे में आग लगने पर नुकसान ज्यादा होता है।

1933 में लॉस एंजल्स के ग्रिफिथ पार्क में लगी आग कैलिफोर्निया की सबसे बड़ी आग थी। इसने करीब 83 हजार एकड़ के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया था। करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरे शहरों में जाना पड़ा था। मौसम के हालात और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की वजह से आने वाले दिनों में इस आग के और भड़कने की आशंका जताई जा रही है। अमरीका की बीमा कंपनियों को डर है कि यह अमरीका के इतिहास में जंगलों में लगी सबसे महंगी आग साबित होगी, क्योंकि आग के दायरे में आने वाली संपत्तियों की कीमत बहुत ज्यादा है। यदि आग के कारणों की बात करें तो अमरीकी सरकार के रिसर्च में स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि पश्चिमी अमरीका में बड़े पैमाने पर जंगलों में लगी भीषण आग का संबंध जलवायु परिवर्तन से भी है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती गर्मी, लंबे समय तक सूखा और प्यासे वायुमंडल सहित जलवायु परिवर्तन पश्चिमी अमरीका के जंगलों में आग के खतरे और इसके फैलने की प्रमुख वजह रहे हैं।

अमरीका में दक्षिणी कैलिफोर्निया में आग लगने का मौसम आमतौर पर मई से अक्तूबर तक माना जाता है। परंतु राज्य के गवर्नर गैविन न्यूसम ने मीडिया को बताया कि आग लगना पूरे साल की एक समस्या बन गई है। इसके साथ ही इस आग को फैलाने का एक बड़ा कारण सेंटा एना हवाएं भी हैं, जो जमीन से समुद्र तट की ओर बहती हैं। माना जाता है कि करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से चलने वाली इन हवाओं ने आग को अधिक भड़काया। ये हवाएं साल में कई बार बहती हैं।अमरीका हो, भारत हो या विश्व का कोई भी देश, ड्डषचता की बात यह है कि यहां के नेता कभी पर्यावरणवादियों की सलाह को महत्व नहीं देते। पर्यावरण के नाम पर मंत्रालय, विभाग और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सब कागजी खानापूर्ति करने के लिए हैं। कॉर्पोरेट घरानों के प्रभाव में और उनकी हवस को पूरा करने के लिए सारे नियम और कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। पहाड़ हों, जंगल हों, नदी हो या समुद्र का तटीय प्रदेश, हर ओर विनाश का ऐसा ही तांडव जारी है। विकास के नाम पर होने वाले विनाश यदि ऐसे ही चलते रहेंगे तो भविष्य में इससे भी भयंकर त्रासदी आएगी।

अमरीका जैसे संपन्न और विकसित देश में जब ऐसे हादसे बार-बार होते हैं तो लगता है कि वहां भी जाने-माने पर्यावरणविदों, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के अनुभवों और सलाहों को खास तवज्जो नहीं दी जाती। यदि इनकी सलाहों को गंभीरता से लिया जाए तो शायद आने वाले समय में ऐसा न हो। एक शोध के अनुसार जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाले यू.एन. के वैज्ञानिकों ने अक्तूबर 2018 में चेतावनी दी थी कि अगर पर्यावरण को बचाने के लिए कड़े कदम नहीं उठाए गए तो बढ़ते तापमान की वजह से 2040 तक भयंकर बाढ़, सूखा, अकाल और जंगल की आग का सामना करना पड़ सकता है। दुनिया का कोई भी देश हो क्या कोई

वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर जीएम मोमिन वीमेंस कॉलेज की छात्रा को मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग और उर्दू चैनल की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमें मुंबई, भिवंडी और अन्य शहरों से 250 से अधिक छात्राओं और महिलाओं ने भाग लिया था । उक्त प्रतियोगिता में जीएम मोमिन वीमेंस कालेज स्टडी सेंटर की बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा खान अलफिजा आफताब ने भाग लेकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया । छात्रा का मार्गदर्शन सोफिया मोमिन ने किया। इस शानदार सफलता पर केएमई सोसाइटी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों , प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी , वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर की इनचार्ज सफा आगा , समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और समस्त स्टॉफ की ओर से पुरस्कृत छात्रा एवं मार्गदर्शक शिक्षिका को बधाई दी जाती है ।

एडवोकेट मुक्ता डी. शिंदे-भोसले भारत सरकार द्वारा बनी नोटरी अधिकारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला अंतर्गत स्थित वानगांव की प्रसिद्ध अधिवक्ता एड. मुक्ता डी. शिंदे-भोसले को भारत सरकार के नोटरी के रूप में चयनित गया है। उन्हें नोटरी अधिकारी चयन प्रमाण पत्र भी ऑनलाइन प्राप्त हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा घोषित सूची के अनुसार विभिन्न स्थानों पर नोटरी पदों की घोषणा की गई थी जिसमें वानगांव की एडवोकेट मुक्ता शिंदे-भोसले का नाम घोषित हो गया है। भारत सरकार की ओर से नोटरी अधिकारी के रूप में प्रमाण पत्र ऑनलाइन वितरित किया गया। जिसमें प्रसिद्ध वकील एड. मुक्ता डी. शिंदे-भोसले नाम शामिल है ।एडवोकेट मुक्ता डी. शिंदे-भोसले को भारत सरकार द्वारा नोटरी अधिकारी बनाए जाने पर उनके तमाम शुभचिंतकों ने बधाई दी हैं।

हार्बर मार्ग पर जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करने को मजबूर हैं नागरिक

मुंबई। रेल मंत्रालय जहां एक तरफ संपूर्ण देश में वंदेभारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेनों को चला रहा है इसके अलावा बुलेट ट्रेन चलाने की कवायद में जुटा हुआ है वहीं दूसरी तरफ मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले हार्बर मार्ग पर अनेक ठिकानों पर नागरिकों को आज भी जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। इस कारण हार्बर मार्ग पर हर साल बड़े पैमाने पर रेल पटरी पार करने के दौरान दुर्घटनाएं हुआ करती हैं। लेकिन उसके बाद भी रेल मंत्रालय इन दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

ज्ञात हो कि मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले हार्बर मार्ग के चेंबूर, गोवंडी और मानखुर्द रेल स्टेशनों के बीच अनेक ठिकानों पर स्कूली बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सुबह से शाम तक खुले आम रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। जिसके कारण हमेशा ही दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। मुंबई कांग्रेस के सचिव डॉ. सत्तार खान ने बताया कि वर्ष २००० में मध्य रेलवे प्रशासन और मनपा की ओर से संयुक्त अभियान चलाकर रे रोड से मानखुर्द स्टेशन के बीच रेल पटरियों की सीमा रेखा से दस मीटर के बीच आने वाले बड़ी संख्या में झोपड़ों को तोड़ा गया था। उसके बाद रेल पटरियों के किनारे सुरक्षा दीवारें बना दी गई थीं। लेकिन वर्तमान समय में चेंबूर, मानखुर्द महात्मा फुले नगर, महाराष्ट्र नगर में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिकों को जान हथेली पर रखकर रेल पटरी पार करनी पड़ रही है। डॉ. सत्तार खान ने यह भी बताया कि चेंबूर गायकवाड़ नगर के निवासियों द्वारा पिछले सात आठ सालों से यहां पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग की जा रही है। लेकिन मनपा और रेल प्रशासन की ओर से अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया जा रहा है। खान ने बताया कि गायकवाड़ के निवासियों को सुभाष नगर, चेंबूर आने जाने के लिए खुले आम रेल पटरी पार कर जाना पड़ता है। लेकिन पिछले दो माह पूर्व ओवर ब्रिज बनाने को कौन कहे रेल प्रशासन की ओर से नागरिकों के आने जाने वाले रास्ते पर गेट लगा दिया गया। जिसके कारण यहां के नागरिकों को नाले के ऊपर से आवागमन करना पड़ रहा है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार करेगा 26 जनवरी, 2025 को अहमदाबाद में होने जा रहे कोल्डप्ले की लाइव स्ट्रीमिंग

मुंबई/पटना। डिज्नी+ प्लस हॉटस्टार ने कोल्डप्ले के साथ भागीदारी करके लाइव स्ट्रीमिंग मनोरंजन के अनुभव में एक नया मानदंड स्थापित किया है। इसके तहत उनका मशहूर म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर कॉन्सर्ट भारत में दर्शकों के लिये लाइव होगा। बैण्ड गणतंत्र दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में परफॉर्म करने की तैयारी कर रहा है। साथ ही यह प्लेटफॉर्म शानदार अनुभवों को सभी की पहुँच में लाकर मनोरंजन के भविष्य को नई परिभाषा दे रहा है। इस तरह से प्रशंसक देश की हर स्क्रीन पर यह यादगार आयोजन देख सकेंगे। अपनी व्यापक पहुँच और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए, डिज्नी+ प्लस हॉटस्टार कॉन्सर्ट की स्ट्रीमिंग आकर्षक गुणवत्ता के साथ करेगा। इसमें दर्शकों को दिलचस्प अनुभव मिलेगा, जिससे लाइव परफॉर्मेंस का जोश सीधे दर्शकों तक पहुँचेगा। इन अनुभव में सचमुच एक हैसटैग पैराडाइज फॉर आल होगा, जो कॉन्सर्ट से कहीं बढ़कर होगा। सब्सक्राइबर्स को बैण्ड से जुड़ीं वह खास बातें भी पता चलेंगी, जो पर्दे के पीछे होती हैं। इस गठजोड़ पर बात करते हुए, जियोस्टार-स्पोर्ट्स के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, डिज्नी प्लस हॉटस्टार की ओर से हमने भारत में होने वाले मनोरंजन तथा खेलों को देखे जाने में क्रांति की है। हमने दर्शकों को बेजोड़ और दिलचस्प अनुभवों से बांधा है। हम लगातार अपने भागीदारों, विज्ञापनदाताओं एवं दर्शकों को महत्व प्रदान कर रहे हैं। कोल्डप्ले के साथ हमारी भागीदारी देशभर में दर्शकों के लिये अनूठे सांस्कृतिक अनुभव लेकर आने के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। अपनी उन्नत टेक्नोलॉजी और बेमिसाल पहुँच का इस्तेमाल करते हुए यह बाधा तोड़ रहे हैं ।

52वीं विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह आयोजित

प्रदर्शनी से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी बन सकते हैं अब्दुल कलाम - प्रकाश निकम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिक्षा विभाग, माध्यमिक जिला परिषद पालघर, पालघर जिला गणित विज्ञान शिक्षक बोर्ड और आनंद आश्रम इंग्लिश हाई स्कूल के सहयोग से 16 जनवरी 2024 को 52वीं जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह का आयोजित किया गया। उक्त समारोह जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार, जिला परिषद सदस्या सारिका निकम, भक्ति वलटे, जिला गणित विज्ञान शिक्षक बोर्ड के अध्यक्ष संतोष पावड़े, आनंद आश्रम विद्यालय के फादर घोंसालवीस, प्रधानाचार्य की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस वर्ष विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन ₹सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी₹ की अवधारणा के साथ किया गया है। जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने कहा कि विज्ञान के कारण जितनी प्रगति हो रही है, उतनी ही गिरावट भी हो रही है, लेकिन यदि विज्ञान का उपयोग अच्छे कार्यों के लिए किया जाए, तो यह निश्चित रूप से फायदेमंद हो सकता है और इस प्रदर्शनी से प्रेरणा लेकर पालघर में एक अब्दुल कलाम जैसा बन सकते हैं। उन्होंने प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी छात्रों और शिक्षकों को भी बधाई दी। साथ ही जिला परिषद अध्यक्ष ने उपस्थित परीक्षकों से

अपील की कि वे महंगी परियोजनाओं को परखने की बजाय रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता से तैयार परियोजनाओं को देखें और सही निर्णय दें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अव्यक्त गुणों को सामने लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, इसका उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए किया जा सकता है।

इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले छात्रों ने कृषि, पर्यावरण और कई अन्य विषयों पर आधारित प्रोजेक्ट तैयार किये हैं। प्रदर्शनी में आतंकवादियों के लिए ड्रोन निगरानी पर एक अलग परियोजना भी प्रस्तुत की गई, जो कृषि के लिए भी उपयोगी है। प्राथमिक 30, माध्यमिक 28, शैक्षणिक सामग्री प्राथमिक शिक्षक 7 माध्यमिक 8, प्रयोगशाला परिचारक 5 कुल 78 परियोजनाएं एवं 146 विद्यार्थी एवं 78 शिक्षकों ने भाग लिया है तथा विज्ञान बोर्ड 40 शिक्षक एवं जिला परिषद के नियोजन से यह प्रदर्शनी चल रही है। नवोन्मेषी कला शिक्षक एवं अंधविश्वास उन्मूलन विषय पर कला शिक्षकों की प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। इसमें अंधविश्वास उन्मूलन के अनेक विषयों को ध्यान में रखते हुए जन जागरूकता पर चित्र बनाये गये हैं।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक जिलाधिकारी माध्यमिक संगीता भागवत ने प्रस्तुत किया तथा प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर ने आभार व्यक्त किया। उक्त प्रदर्शनी की जांच के लिए छह परीक्षक नियुक्त किये गये हैं। आनंद आश्रम विद्यालय द्वारा अपने विद्यालय के साथ-साथ विद्यालय परिसर एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यालय के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के समूह शिक्षा अधिकारी सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

देवनार पाड़ा हिन्दू स्मशान भूमि में अंधेरे का साम्राज्य

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोवंडी के देवनारपाड़ा हिंदू स्मशान भूमि में काफी समय से अंधेरे का साम्राज्य व्याप्त है। बिजली की सुविधा न होने से रात देर रात शवों को अंत्य संस्कार के लिए लाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा स्मशान भूमि की सुरक्षा दीवार जगह जगह जगह जर्जर हो चुकी है इस कारण मनपा एम पूर्व के स्वास्थय विभाग अधिकारी से जाने माने युवा समाजसेवक राजेंद्र नगराले ने दीवार की सुरक्षा दीवार को बनाने और विद्युत की सुविधा मुहैया कराने की मांग की है। मनपा एम पूर्व के स्वास्थ्य विभाग अधिकारी को लिखे पत्र में समाजसेवक राजेंद्र नगराले ने बताया कि बिजली के अभाव के कारण देवनारपाड़ा हिंदू स्मशान भूमि में अंधेरा छाया रहता है और वहां रात में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा हुआ करता है इसके अलावा स्मशान भूमि की सुरक्षा दीवार जर्जर हो चुकी है। इस कारण देवनारपाड़ा हिंदू स्मशान भूमि में बिजली व्यवस्था और सुरक्षा दीवार बनाना अत्यंत जरूरी है।

संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिवस श्रीराम जानकी विवाह प्रसंग का श्रोताओं ने किया अमृतपान

पालघर(उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीराम जी की असीम अनुकम्पा से श्री शिव हनुमान सेवा संस्था के तत्वाधान में पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत गंगोत्री होटल के पास स्थित मैदान में बने भव्य पंडाल में शनिवार 11 जनवरी 2025 से नित्य मानस मर्मज्ञ कथावाचक पूज्य श्री वेद नारायण शास्त्री जी महाराज तीर्थराज प्रयागराज के मुखारविंद से नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का श्रोतागण अमृतपान कर रहे हैं। संगीतमयी श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिवस को मानस मर्मज्ञ कथावाचक पूज्य श्री वेद नारायण शास्त्री जी महाराज तीर्थराज प्रयागराज के मुखारविंद से राजा जनक द्वारा माता सीता के लिए स्वयंवर की कथा, जिसमें प्रतापी

राजाओं द्वारा शिव धनुष को हिला भी ना सकना, गुरु विश्वामित्र जी के साथ राम और लक्ष्मण का स्वयंवर में प्रवेश तथा धनुष तोड़ने के पश्चात प्रभु श्री राम और माता जानकी के विवाह की कथा का वर्णन बहुत सुंदर तरीके से किया गया। इस श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में सैकड़ो की संख्या में श्रोतागणों ने श्रीरामकथा का अमृतपान किया। इस शुभ अवसर पर पंडित मनीष उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत ₹आज मेरे राम की शादी है जैसे कई सुमधुर बधाई गीतों पर झूमते नाचते हुए दिखाई दिए। इस श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ में धमार्नुयायियों में राम मंदिर ट्रस्ट के बच्चन शुक्ला, विनोद वाजपेयी, सुशील पाण्डेय, आंनद प्रसाद व अशोक प्रसाद उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शिव हनुमान सेवा संस्था द्वारा समाजसेवी कार्यो हेतु राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली के नेतृत्व में युजवेंद्र सावे, रोहित सिंह, लक्ष्मण बेदाडे ,राहुल पाटील, विनोद शर्मा, हेमंत जैन, रोशन पाठक, सुमित ठाकुर, पिंकी सिंह (तनु), रागिनी सिंह, पिंकी दुबे, संगीता जायसवाल, सुनीता सतपाल, मनीष ओझा, राकेश शर्मा, जयनाथ यादव, राजेश सिंह, तारकेश्वर सिंह आदि का स्वागत करते हुए सभी का रामनामी पट्टाभिषेक किया। श्रीराम कथा में सम्राट होटल की तरफ से जल व प्रसाद का वितरण किया गया।

फेरीवालों पर अन्याय के खिलाफ, रिपब्लिकन पार्टी का भीख मांगों आंदोलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर में फेरीवाले अपना और अपने परिवार की आजीविका चलाने के लिए सड़कों, सड़कों के किनारे और जहां भी संभव होता है छोटा-बड़ा धंधा करते हैं। लेकिन पिछले 10 महीने से मनपा और पुलिस से विनंती के बाद भी फेरीवालों को न्याय नहीं मिल पा रहा है । जिसके कारण गत दिनों डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान से मनपा एम पश्चिम विभाग कार्यालय तक रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया चेंबूर तालुका के अध्यक्ष रवि गायकवाड़ के नेतृत्व में फेरीवालों के लिए भीख मांगों आंदोलन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में रमेश घोक्षे ,साहेबराव ससाने ,कामू पवार ,सुजीत शेट्टी, जयकर मघाडे, रतन गवारे ,संघर्ष कांबले सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। बता दें कि चेंबूर एनजी आचार्य मार्ग पर पिछले 40 से 50 वर्षों से अनेक फेरीवाले फेरी का धंधा करते आ रहे है और इसी फेरी के धंधे से वे अपने परिवार की आजीविका बच्चों की पढ़ाई लिखाई घर का किराया और बाकी सब कुछ चला रहे थे। लेकिन पिछले 10 महीने से मनपा और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई के कारण फेरीवालों का व्यवसाय पूरी तरह बंद है।

जिसके कारण उनके समक्ष भुखमरी की नौबत आ गई है। इस भीख मांगों आंदोलन का नेतृत्व कर रहे आर पी आई चेंबूर तालुका के अध्यक्ष रवि गायकवाड़ ने कहा कि फेरीवालों पर किए जा रहे मनपा और पुलिस प्रशासन के अन्याय के खिलाफ यह भीख मांगों आंदोलन किया गया।

देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुंबई आगमन पर मुंबई के आई एन एस आंग्रे ऑडिटोरियम में भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री का स्वागत कर यादव काफी प्रभावित हुए। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को प्रधानमंत्री से मिलवाना मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात है।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए केडीएमसी ने उपलब्ध कराई फिजियोथेरेपी सुविधा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने आज दिव्यांगों के लिए फिजियोथेरेपी सुविधा उपलब्ध कराई है जिसका शुक्रवार को रिबिन काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगों ने 5,500 ने अपनी पंजीकरण कराई है। अब तक महापालिका द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कोई फिजियोथेरेपी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। लेकिन अब महापालिका द्वारा पंजीकृत दिव्यांग और मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए यह सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

महापालिका आयुक्त डॉ. इंदू राणा जाखड़ ने इस कार्य के लिए आधार रिहैबिलिटेटेड सर्विसेस को कार्यादेश दिया है।

कल्याण पश्चिम स्थित शांगले वाड़ी में इस केंद्र का उद्घाटन सांसद

श्रीकांत शिंदे के हांथो किया गया इस अवसर पर शहर प्रमुख रवि पाटिल, आमदार राजेश मोरे, आमदार सुलभा गायकवाड़, पालिका आयुक्त डॉक्टर इंदुरानी जाखड़ सहित पालिका प्रशासन के अनेकों अधिकारी वर्ग मौजूद थे।

बतादे की इस केंद्र में दिव्यांग नागरिकों को अंधत्व, बुटकेपण, मानसिक मंदता, स्नायू दुर्बलता, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक रोग, अध्ययन अक्षमता, थैलेसेमिया, सिकल सेल एनीमिया, वाचादोष, बहुविकलांगता, कर्णबधिरता, हीमोफीलिया, लोकोमोटर डिसएबिलिटी सहित अन्य व्याधियों से पीड़ित व्यक्तियों को कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के माध्यम से मे. आधार रिहैबिलिटेटेड सर्विसेस के माध्यम से संबंधित स्वास्थ्य सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी।

एनीटाइम फिटनेस ने मुंबई में रीजनल कॉर्पोरेट ऑफिस खोला

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती जिम चेन एनीटाइम फिटनेस ने आज मुंबई में अपना क्षेत्रीय कॉर्पोरेट ऑफिस लॉन्च करने की घोषणा की। यह ऑफिस, ऑफिस नंबर 904, 9वीं मंजिल, 93 ईस्ट, महाकाली केव्स रोड, शांति नगर, अंधेरी ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र–400093 पर स्थित है, मुंबई, पुणे, नासिक, नागपुर और भारत के पश्चिमी क्षेत्रों में फ्रेंचाइज सेल्स और ऑपरेशन्स को मजबूत करने और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में काम करेगा।यह नया क्षेत्रीय ऑफिस एनीटाइम फिटनेस के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है, जो न केवल विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाएं प्रदान करता है बल्कि नए उद्यमियों के लिए एक बेहतरीन अवसर भी पेश करता है। मुंबई जैसे गतिशील शहर में एनीटाइम फिटनेस एक भरोसेमंद ब्रांड के रूप में उभर रहा है और यह लोगों को प्रीमियम हेल्थ और वेलनेस सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

विकास जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर, एनीटाइम फिटनेस ने कहा, ₹हमें खुशी है कि हमने मुंबई में एक समर्पित क्षेत्रीय ऑफिस के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज की है। यह हमारे विजन का हिस्सा है कि मुंबई और पश्चिमी क्षेत्र के अन्य हिस्सों में एनीटाइम फिटनेस फ्रेंचाइज नेटवर्क का विस्तार किया जाए। साथ ही, हम इस नए ऑफिस को अपने फ्रेंचाइज पार्टनर्स को बेहतर समर्थन, प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करने के लिए तैयार कर रहे हैं ताकि वे ऐसी जगहें विकसित कर सकें जो स्वस्थ जीवनशैली को प्रेरित करें। भारत में 140 से अधिक जिम के साथ, एनीटाइम फिटनेस अपने मिशन लेट्स मेक हेल्दी हैपन के साथ देशभर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।भारत में फिटनेस उद्योग तेजी से बदल रहा है और लोग अब स्वास्थ्य और वेलनेस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। एनीटाइम फिटनेस, अपनी 24/7 उपलब्धता, व्यक्तिगत कोचिंग और कम्युनिटी-ड्रिवन अप्रोच के साथ, इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुंबई का यह नया ऑफिस पश्चिमी क्षेत्र में फ्रेंचाइज विस्तार को तेज करने और संचालन को सुचारू बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

टीमलीज डिजिटल द्वारा सीएक्सओ थिंकटैंक इवेंट का आयोजन

मुंबई। टीमलीज डिजिटल, एक प्रमुख स्पेशलाइज्ड स्टाफिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर, ने हाल ही में एक सीएक्सओ थिंकटैंक इवेंट का आयोजन किया। इसका विषय था महाराष्ट्र में टेक्नोलॉजी और जीसीसी (ग्लोबल कैपिसिटी सेंटर) का विकास। इस आयोजन का नेतृत्व टीमलीज डिजिटल की सीईओ सुश्री नीति शर्मा ने किया। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, टेलीकॉम, इंजीनियरिंग, बीएफएसआई, आईटी सेवाओं और एडटेक जैसे प्रमुख उद्योगों के वरिष्ठ निर्णय-निमार्ता शामिल हुए। चर्चा का केंद्र तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी और इसका भारत की प्रतिभा व विकास पर प्रभाव रहा। इस थिंकटैंक में जीसीसी के परिदृश्य को आकार देने वाले प्रमुख मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। खासतौर पर ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट्स की बढ़ती जटिलताओं और एडवांस टेक्नोलॉजी स्टैक को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। बातचीत में टेक्नोलॉजी रोडमैप को स्पष्ट करने और पारंपरिक पांच वर्षीय टेक रिफ्रेश साइकिल से निरंतर नवाचार की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। इस नई सोच में नवीनतम और लचीला आईटी मॉडल, साथ ही स्केलेबल क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने का महत्व सामने आया। प्रतिभागियों ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि टेक्नोलॉजी, ऑपरेशन्स और बिजनेस डेवलपमेंट के क्षेत्रों में नए और खास तरह के कौशल की मांग तेजी से बढ़ रही है। टीमलीज डिजिटल की सीईओ नीति शर्मा ने कहा, ₹सीएक्सओ थिंकटैंक हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है, जो इंडस्ट्री के महत्वपूर्ण बदलावों और इनसे जुड़े कौशल व बिजनेस डेवलपमेंट पर गहराई से चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

विपरीत परिस्थितियों का सामना करने वाला होता है सफल: कुलसचिव

छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु मिशन वीरांगना विषयक दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत मिशन वीरांगना विषयक दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अध्ययन

केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा हेतु मार्शल आर्ट और ताइक्वांडो सिखाया गया। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कुलसचिव महेंद्र कुमार ने प्रतिभागी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इतना सशक्त बनिए कि जीवन में आने वाली हर परिस्थिति से निपट सके।जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करता है वही सफल होता है।आज की लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है इसका सबसे बड़ा कारण उनकी मेहनत और मजबूती है। विशिष्ट अतिथि वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि जीवन में सफलता तभी मिलती है जब हौसला बना रहता है। संविधान ने हम सभी को समान अधिकार दिए है। समाज में लिंग समानता बनी रहे इसके लिए मजबूत होना होगा। अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि पठन-पाठन के साथ इस तरह की कार्यशालाएं मनोबल को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि मानसिक मजबूती के साथ ही शारीरिक मजबूती बहुत जरूरी है। इसके लिए अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे और अपने खानपान का ध्यान रखें। कार्यशाला के प्रशिक्षक राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाडी प्रवीण मिश्रा ने आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट और ताइक्वांडो की तकनीकी से छात्राओं को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि बेटियां शिक्षा के साथ-साथ सेल्फ डिफेन्स को जाने। महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की और अतिथियों का स्वागत किया. संचालन डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, डॉ. वनीता सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. पूजा सक्सेना, डॉ. जया शुक्ला, डॉ. निमिषा यादव, समरीन तबस्सुम समेत अन्य उपस्थित रहे।

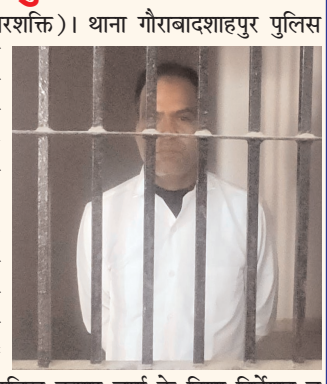

गौराबादशाहपुर पुलिस ने जान से मारने की धमकी देने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा जान से मारने की धमकी देने के प्रकरण में पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से एक तमन्चा .315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद। डा.कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान के क्रम में

अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत, अजीत कुमार रजक के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचन्द पाण्डेय के नेतृत्व में उ0नि0 रवि प्रकाश मय हमराह हे0का0 तबरेज खान, हे0का0 शिवबदन प्रसाद थाना हाजा से रवाना होकर क्षेत्र में मामूर थे के मुखविर खास की सूचना के आधार पर दिनांक 17.01.2025 को समय 05.10 बजे शेखबलिया मोड से एक अभियुक्त राजकुमार यादव पुत्र स्व0 फेरू यादव निवासी कबीरूद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 44 वर्ष को एक तमन्चा .315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 018/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

खेतासराय पुलिस ने जुआ खेलते हुए 5 को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर अजित सिंह चौहान के तथा रामाश्रय राय थानाध्यक्ष खेतासराय के एवं थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 16.01.2025 को समय करीब 05.10 बजे शाम को ईदगाह के पीछे बबुरानी के पास हारजीत की बाजी लगाकर खेल रहे 05 व्यक्तियों

को 52 पत्ते ताश के मालफड़ 21000/00 इक्कीस हजार रुपये एवं जामातलाशी के 7200/00 बहत्तर सौ रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया।एक अभियुक्त मौके से भागने मे सफल रहा। खड़ी 03 अदद मो0सा0 के कागजात नही प्रस्तुत करने पर धारा 207 एमवी एक्ट मे सीज किया गया। फर्द बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-19/2025 धारा 13 जुआ एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण 1.रवि कुमार पुत्र प्रेमचन्द निवासी पुरानी चौक थाना शाहगंज जनपद जौनपुर 2.जुग्गू पुत्र रशीद निवासी पट्टीनरेन्द्रपुर थाना सरपतहां जनपद जौनपुर 3.बृजेश मौर्य पुत्र रामनयन मौर्य निवासी पट्टी नरेन्द्रपुर थाना सरपतहां जनपद जौनपुर 4.लक्ष्मीशंकर पाण्डेय पुत्र निर्मलबाबू निवासी वार्ड नं0 04 वभनौटी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर 5.गंगेश्वर प्रसाद पाण्डेय पुत्र निर्मलबाबू निवासी वार्ड नं0 04 वभनौटी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर वांछित अभियुक्त 1.वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 जगदीश पाण्डेय निवासी वार्ड नं0 4 बभनौटी थाना खेतासराय जौनपुर बरामदगी का विवरण- 1.मालफड़-21000 रुपये 2. जामातलाशी-7200 रुपये 3. 03 अदद मो0सा0 1.वढ62उठ1608 ग्लैमर बरंग काला, 2-वढ44इठ8624 सुपर स्पलेण्डर बरंग काला, 3-वढ 62अ 8920 सुपर स्पलेण्डर बरंग लाल।

सड़क दुघर्टना में घायल तीसरे युवक की हुई मौत

रियाजुल हक क्राईम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव स्थित तिराहे पर गुरुवार को वाराणसी लखनऊ हाइवे पर बस की चपेट में आने से एक बाइक पर सवार तीन युवकों में से दो की मौत हो गई थे। जिसमें दो की मौत हो गयी थी। जबकि एक युवक बुरी तरह घायल हो गया था। जिसका इलाज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। कलीचाबाद स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में तीसरे युवक की बीतीरात मौत हो गयी। प्रतापगढ़ जनपद के अमरगढ़ करौदहा निवासी 25 वर्षीय रिषभ उपाध्याय पुत्र स्व. अशोक उपाध्याय व 28 वर्षीय चचेरे भाई अनुराग उपाध्याय पुत्र रामअनुज एवं गांव निवासी नन्हें सरोज 27 वर्ष पुत्र स्वर्गीय माताफेर देवसरा पट्टी प्रतापगढ़ का निवासी एक बाइक पर सवार होकर किसी काम से गुरुवार की सुबह जौनपुर आये थे। हरिहर सिंह पब्लिक स्कूल के समीप कुल्हनामऊ के सामने पहुंचे ही थे कि वाराणसी की तरफ जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस यूपी 43 टी 7228 से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज रही की बाइक यूपी 72 बी आर 1511 बस के अगले हिस्से में जा घुसी। बाइक पर सवार तीनो युवकों को स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक ने रिषभ उपाध्याय व अनुराग उपाध्याय को मृत घोषित कर दिया। जबकि गम्भीर रूप से घायल 23 वर्षीय नन्हें सरोज का इलाज चल रहा है। बीतीरात इलाज के दौरान मौत हो गयी।

कुल्हनामऊ में बस की चपेट आये थे बाईक सवार तीन युवक

रोहनिया विधायक ने 190.26 लाख की लागत से स्वीकृत कुल 12 परियोजनाओं के 21 कार्यो का किया भूमि पूजन

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया के आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए आदर्श गांव परमपुर में शुक्रवार को मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने 190.26 लाख की लागत की स्वीकृत कुल 12 परियोजनाओं 21 कार्यों का भूमि पूजन किया। इस दौरान सुरेंद्र प्रसाद अवर अभियंता ने बताया कि सीएसआर योजना के अंतर्गत

इंटरलॉकिंग जल निकासी कार्य, प्रवेश द्वार, एमडीएम सेड, फिल्टर चैंबर, आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य, डिजिटल लाइब्रेरी, एसएचजी भवन निर्माण कार्य, बच्चों के पार्क के लिए उपकरण का कार्य, एवं स्टील डस्टबिन का कार्य सहित कुल 12 परियोजनाओं के 21 कार्य किया जाएगा। मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने सरकार द्वारा विकास कार्यों पर विस्तार रूप से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान राहुल राज, अपना दल एस जिला अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा मानस सिंह, सहायक अभियंता मयंक चौधरी, अभियंता अवर अभियंता अमरेश विन्द, अभियंता सुरेंद्र प्रसाद अवर अभियंता अक्षय पटेल, ठेकेदार विजय कुमार मौर्य, अमित जायसवाल, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, दीपक पटेल वीरेंद्र वर्मा, संजीव सिंह, महेंद्र पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार अधेड़ की मौत

परिजनों में मचा कोहराम, शव भेजा गया पोस्टमार्टम

विशाल सोनी, शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हादसे की भेंट चढ़े एक अधेड़ के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के प्रासिन ग्राम निवासी 42 वर्षीय सुनील कुमार बिंद पुत्र राम अजोर शुक्रवार की दोपहर अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था की रास्ते मे गोल्हागौर के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ़्तार ट्रैक्टर ने धक्का मार दिया जिससे बाइक पर सवार दोनों गिर गए। जिसमे से सुनील कुमार घायल हो गया। आनन फानन में ग्रामीणों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने सुनील कुमार को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया।

विद्यालयों में प्रशिक्षण के लिए तैयार किये जायेंगे 45-50 आधारभूत मास्टर ट्रेनर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला ने अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा संचालित डिसलेक्सिया व अटेंशन डैफिसिट एण्ड हाइपर एक्टिविटी सिन्ड्रोम से प्रभावित बच्चों की पहचान के लिए शिक्षकों के

प्रशिक्षण हेतु आधारभूत प्रशिक्षकों मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्कशाप/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। योजनान्तर्गत 45-50 आधारभूत प्रशिक्षक मास्टर ट्रेनर तैयार किये जायेंगे जो कि विद्यालयों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अध्यापकों को प्रशिक्षित करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु के रूप में स्पीच थेरेपिस्ट, विशेष शिक्षक (लर्निंग डिसेबिलिटी तथा मानसिक मंदित) आदि सम्मिलित है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्रीमती दिव्या शुक्ला द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शशिधर उपाध्याय, जिला समन्वयक विशेष शिक्षा, बेसिक शिक्षा विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के कर्मचारी घनश्याम वरिष्ठ सहायक, तथा श्री राहुल राजभर द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य पहुंचे रामनगर

मां मंशा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य शुक्रवार को रामनगर पहुंचे। जहां उन्होंने दुर्ग रोड स्थित प्रसिद्ध मां मंशा देवी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना से की। उन्होंने विधि-विधान से पूजा कर क्षेत्र के विकास

और समृद्धि की कामना की। इस मौके पर उनके साथ कई स्थानीय अधिकारियों और लोगों की उपस्थिति देखी गई। भाजपा नेता के आवास पहुंचकर व्यक्त की शोक संवेदना मां मंशा देवी मंदिर में दर्शन के बाद राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य बटाऊबीर पहुंचे। वहां उन्होंने भाजपा के महानगर मंत्री डॉ.अनुपम गुप्ता के आवास पर शोक संवेदना व्यक्त की। हाल ही में डॉ.अनुपम गुप्ता की माता जी का निधन हो गया था। राज्यपाल ने परिवार को सांत्वना देते हुए कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की अपील की। इस यात्रा में असम के कमिश्नर मिनाक्षी सुंदरम भी राज्यपाल के साथ मौजूद रहे। उन्होंने भी मां मंशा देवी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद कमिश्नर ने रामनगर दुर्ग और स्वतंत्रता सेनानी लाल बहादुर शास्त्री जी के पुराने आवास का दौरा किया। उन्होंने ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन करते हुए इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर बताया।

हत्या के प्रयास में 1 अभियुक्त गिरफ्तार

धर्मेद्र कुमार शर्मा, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वांछित की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बदलापुर के कुशल नेतृत्व में थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा वाछिंत अभियुक्त शुभम बिन्द पुत्र ओमप्रकाश बिन्द उम्र करीब 19 वर्ष निवासी ग्राम- भलुवाही थाना

बदलापुर जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0-351/24 धारा- 109(1) बीएनएस थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को दिनांक 17.01.25 समय करीब 07.15 बजे सराय त्रिलोकी मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। बाद गिरफ्तारी नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आज भी पुलिस के पहरे में उदय प्रताप कॉलेज, अब तक अदा नहीं हुई नमाज

वक्फ बोर्ड के वायरल लेटर के बाद से लगा हुआ है मस्जिद में ताला

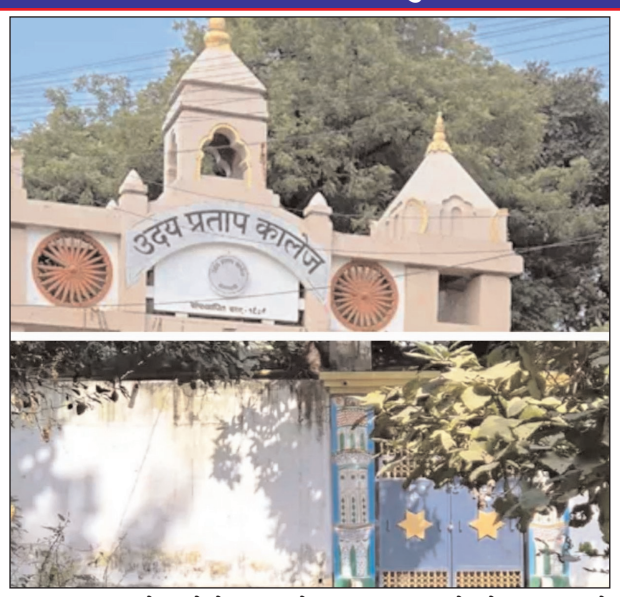

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के उदय प्रताप कॉलेज परिसर में स्थित मस्जिद जिसे मुस्लिम समाज नवाब टोंक की मस्जिद का दावा करता है।शुक्रवार को 42वें दिन भी ताला लगा रहा। पुलिस के पहरा और कॉलेज प्रशासन की सख्ती के चलते मुस्लिम नमाज अदा करने नहीं आएं। उत्तर दक्षिण दिशा वाले गेट पर ताला लगा था और कचनार शाह की मजार की पास पुलिसकर्मी तैनात थे। मुस्लिम पक्ष नमाज अदा करने के लिए वाराणसी के आला अफसरों से गुहार लगा चुका है। कॉलेज प्रशासन ने पहले परीक्षा का हवाला देते हुए कॉलेज परिसर में धार्मिक गतिविधियों रोकते हुए मस्जिद पर ताला लगा दिया था। उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड का नवंबर 2024 में वायरल लेटर के बाद छात्रों के विरोध प्रदर्शन के चलते मस्जिद में नमाज अदा करने पर रोक लगी है। तीन दिसंबर 2014 से कालेज परिसर में लाइब्रेरी के समीप मस्जिद और मजार से लेकर प्रवेश द्वार तक पुलिस का पहरा है। कालेज प्रशासन की मांग पर यहां नमाज अदा करने पर रोक लगी है। मस्जिद पर ताला लगा है। पीएसी समेत कई थानों के पुलिसकर्मियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। छात्र-छात्राओं का है आना जाना।यूपी कालेज में आज चहल पहल रही। छात्र-छात्राएं पुलिस की निगरानी के बीच आ जा रहे थे। छात्राओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। एसीपी कैंट विदुष सक्सेना, फोर्स के साथ दोपहर तक कालेज के आसपास भ्रमण करते रहे। मुख्य द्वार पर डटे रहे। कालेज में प्रवेश करने वालों से पूछताछ के साथ परिचय पत्र देखने के बाद ही एंट्री दी जा रही थी। क्यों नहीं अदा कर पा रहे नमाज 25 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कॉलेज के 115वें संस्थापन दिवस समारोह में आए थे। 26 नवंबर को सुन्नी सेंट्रल वर्क बोर्ड का एक लेटर वायरल हुआ जो कॉलेज प्रशासन को वर्ष 2018 को जारी हुआ था। नोटिस वसीम अहमद के दावे के आधार पर दी गई थी। वसीम का दावा था कि कॉलेज में मौजूद मस्जिद नवाब टोंक की है और यह वक्त की संपत्ति है। 29 नवंबर को 500 से अधिक मुस्लिम नमाज अदा करने कालेज पहुंच गए। 02 दिसंबर को छात्रों ने वक्फ बोर्ड का पुतला फूंका। कालेज में नमाजियों के आने पर एतराज। 03 दिसंबर को मजार के पास ही छात्रों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। लगातार बढ़ते हुए तनाव को देखते हुए पुलिस ने मुस्लिम पक्ष के कॉलेज कैंपस में आने पर रोक लगा दी। 04 दिसंबर को वक्फ बोर्ड का जारी एक लेटर यूपी कालेज पहुंचा। बताया कि 2018 में जारी नोटिस 2021 में ही खारिज की जा चुकी है। कॉलेज की किसी संपत्ति पर उसका कोई अधिकार नहीं है। 06 दिसंबर को वर्तमान और पूर्व छात्रों ने कालेज के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन किया। भोजूबीर इलाके में जुलूस निकाला और जयश्रीराम के नारे लगाए। पुलिस ने कुछ छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया। अभी के हालात के वक्फ बोर्ड के छह साल पुराने लेटर के वायरल बाद कॉलेज प्रशासन और छात्रों ने मांग उठाई कि कॉलेज में शिक्षा का माहौल रहने दिया जाए। यहां धार्मिक गतिविधियां ना बढ़ाई जाए। मुस्लिम पक्ष ने भी मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए पुलिस प्रशासन से मांग की। लेकिन सुरक्षा और कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए पुलिस ने कॉलेज में चल रही परीक्षाओं का हवाला देते हुए नमाज की परमिशन देने से इनकार कर दिया है। तनाव को देखते हुए यूपी कालेज के कैंपस में 24 घंटे पुलिस फोर्स तैनात है।

वाराणसी में दोना पत्तल की गोदाम में लगी आग, हजारों रुपये के सामान का नुकसान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के जैतपुरा थानान्तर्गत गुरुवार की साम जमालूद्दीन पुरा (बड़ी बाजार) स्थित एक जनरल स्टोर की दुकान के तीसरी मंजिल पर एक कमरे में दोना पत्तल कागज का गिलास अन्य सामान रखा था।

बिजली के साट सर्किट से आग लगा। कमरे से धुआं निकलता देख। मुहल्ले के लोगों ने शोर मचाने लगे देखते देखते कमरे से आग की लपटे निकलने लगा। भवन स्वामी का भू-तल में जनरल स्टोर का दुकान है और तीसरी मंजिल पर गोदाम बना कर रखा था गोदाम में बिजली साट सर्किट से आग लगा। आग लगने की सूचना पड़ोसी ने दिया सूचना मिलते भवन स्वामी शेरू कुमार ने फायर सर्विस सेंटर को सूचना दिया। पड़ोसीयों की मदद से कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया रोड पर सीवर साफ करने वाला मशीन लगा था। जिसके कारण दमकल की गाड़ी घटना स्थल पर काफी देर में पहुंचा। दुकानदार ने बताया हजारों का सामना जल कर राख हो गया। आग की लपटों को देख पास पड़ोस के लोग किसी अनहोनी होने से पहले घंटो मेहनत करने के बाद आग पर काबू पा लिया।आग को बुझाने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने राहत की सांस ली।

यूपी में पाकिस्तानी महिला बनी शिक्षक

बरेली में नौ साल से कर रही थी नौकरी, विभाग ने किया बर्खास्त

बरेली(उत्तरशक्ति)। जनपद में पाकिस्तानी महिला ने फर्जी दस्तावेज से बेसिक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। उसने बरेली के फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड क्षेत्र में तैनाती भी पा ली। जांच में फजीर्वाड़ा साबित होने के बाद उसे अक्तूबर में निलंबित कर दिया गया था। विभाग ने अब उसकी सेवा समाप्त कर दी है। उसके खिलाफ विभागीय अधिकारियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जल्द उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है। रामपुर शहर के बजरोही टोला में गली नंबर चार के मकान नंबर 20 की निवासी शुमायला खान पुत्री एसए खान पर यह कार्रवाई हुई है। फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार ने उसके खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी थाने में धोखाधड़ी से नागरिकता छुपाने व फर्जी दस्तावेजों से नौकरी हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया गया है कि शुमायला खान ने फर्जी दस्तावेज तैयार करके बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। फिलहाल वह यहां प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थी। उसकी नागरिकता को लेकर शिकायत की गई थी। आरोप था कि वह पाकिस्तानी नागरिक है। इस मामले में विभाग ने उसके प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया था। एसडीएम सदर रामपुर से अपेक्षा की गई थी कि उनके कार्यालय से जारी बताया जा रहा सामान्य निवास प्रमाणपत्र की जांच करके रिपोर्ट दें। एसडीएम की जांच में साफ हुआ कि शुमायला का यह प्रमाणपत्र त्रुटिपूर्ण है। इसे बनवाने में जानकारी छुपाई गई है और शुमायला वास्तव में पाकिस्तानी नागरिक है। शुमायला खान का प्रमाण पत्र पिछली साल निरस्त कर दिया गया। बेसिक शिक्षा विभाग ने कई बार शिक्षिका से स्पष्टीकरण मांगा पर प्रमाण पत्र की सत्यता साबित न हो सकी। बीएसए ने तीन अक्तूबर 2024 को शुमायला खान को निलंबित कर दिया था। उसकी सेवा भी समाप्त कर दी गई है। अब बीएसए के निर्देश पर बीईओ भानु शंकर गंगवार ने रिपोर्ट दर्ज करा दी है। फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस मामले में जांच कर रही है, शुमायला की गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

धूमधाम से मना सैयद उमर शाह का सलाना उर्स

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सालाना उर्स हजरत सैयद उमर शाह (बड़ी मस्जिद पूर्वी गेट) के पास मोहल्ला उमर खा बगीचा स्थित आस्ताना पर

धूमधाम से संपन्न हुआ। उर्स का आगाज कलामे इलाही से मौलाना हनीफुल कादरी ने किया। इस मौके पर विभिन्न नात खवा द्वारा पढ़ी गई बेहतरीन नात, सैयद उमर शाह का उर्स गागर के बाद गुस्ल फिर चादर पोशी से शुरू हुआ। जौनपुर बुजुर्गों की धरती है इसी सिलसिले में आज हजरत सैयद उमर शाह रहमतुल्लाह अलैह का सलाना उर्स 17 जनवरी 2025 शुक्रवार के दिन 16 रज्जब हिजरी के मुताबिक बड़ी मस्जिद के पूर्वी गेट के सामने मोहल्ला उमर खा बगीचा में उनके आस्ताना पर धूमधाम से मनाया गया। खादिम आस्ताना मास्टर मेराज अहमद ने बताया कि यह कदीमी उर्स है जो पिछले पांच सौ वर्षों से मनाया जा रहा है। इस मौके पर एक जलसा सीरातुन्नबी नबी भी आयोजित हुआ। उक्त समस्त कार्यक्रम मोहिनुद्दीन अहमद हस्साम जाफरी की सरपरस्ती में हुआ निजामत महशर जौनपुरी ने किया। खिताबत अहमद रजा जाफरी और मोहम्मद अहमद रजा बरकाती ने की वही शायर शमसुद्दीन और हाफिज मेराज ने अपने नातिया कलाम से लोगों को मंत्र मुक्त कर दिया। इसी कड़ी में देर रात तक विभिन्न कव्वालों ने अपने अपने कलाम से महफिल में शमा बांध दी आस्ताना के खादिम मास्टर मेराज ने आस्तावानो और उर्स में शहर व जिले से और बाहरी जिलों से आए हुए आस्तावान लोगों का शुक्रिया अदा किया। इस मौके पर मुख्य रूप से हाफिज मुमताज, कारी इश्तियाक जिया, जंग बहादुर यादव, मोहम्मद अहमद जाफरी, कौशर, मोहम्मद तारीक, नसीम अहमद, शाहनवाज कुरेशी, शाहनवाज मंजूर सभासद, हाफिज अब्दुल रज्जाक, मोहम्मद नवाज, उरूज नवाज, हाफिज फहद, अजमत, साजिद अली, शानू सिद्दीकी, मौलाना कयामुद्दीन शाह, गुलाम मुस्तफा, दिलदार अहमद, मनीष देव मंगल सभासद, शहजादे कुरैशी, अनीस श्रीवास्तव एडवोकेट मौजूद रहे।

25 जनवरी को मनाया जाएगा 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के संबंध में बैठक की गई। बैठक में राष्ट्रीय मतदाता दिवस जनपद स्तर व विधानसभा स्तर पर बृद्ध रुप से मनाये जाने हेतु चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 25 जनवरी को 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सभी विधानसभा स्तर व समस्त मतदान केंद्रों पर कार्यक्रम होगा और मतदाता शपथ दिलाई जायेगी तथा नये युवा मतदाता को ईपिक कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम टी डी इन्टर कालेज में दिन में 11 बजे से आयोजित है। नगर के सभी इन्टर व डिग्री कालेज से छात्र छात्राएं अपने कालेज से मतदाता जागरूकता रैली लेकर बैनर के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल टी डी इन्टर कालेज पहुंचेगे।जहाँ पर मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली, मेहंदी व पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित होगी।तथा विजेताओं व उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने सभी लोगों से अपील किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा नुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूर्ण मनोयोग एंवम हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाय। मीटिंग में सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुवेर्दी, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

म्युनिसिपल मजदूर यूनियन द्वारा विशाल जनसभा एवं सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका कर्मचारियों की सबसे बड़ी यूनियन म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 17 फरवरी 2025 को संपूर्ण महाराष्ट्र के कामगारों एवं कर्मचारियों के अधिकार को दिलाने हेतु प्रशासन के सम्मुख शक्ति प्रदर्शन करते दिखाई दी। उक्त शक्ति प्रदर्शन एवं सभा में हजारों की संख्या में कामगारों एवं कर्मचारियों नेअपनी उपस्थिति देकर सभा को सफलता प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कामगारों एवं कर्मचारियों को उनके अधिकार का लाभ जैसे मालिकाना हक का घर,वारिसों को नौकरी, सेवानिवृत्ति कामगारों एवं कर्मचारियों को समयानुसार पेंशन,फंड,सभी प्रकार के भत्ते एवं सातवें वेतन आयोग का बकाया धनराशि शीघ्रातिशीघ्र दिया जाए।इस विशाल सभा का आयोजन राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ,भोईवाड़ा, परेल मुंबई सभागृह में रखी गई जिसकी अध्यक्षता अशोक जाधव (यूनियन अध्यक्ष),स्वागताध्यक्ष वामन कविस्कर (यूनियन सरचिटणीस), प्रमुख अतिथि एडवोकेट सगर किल्लारिकर (वरिष्ठ विधितज्ञ), एडवोकेट हरिष बाली (वरिष्ठ विधितज्ञ) एवं एडवोकेट बलीराम बी. शिंदे (वरिष्ठ विधितज्ञ),विशेष अतिथियों में महाराष्ट्र राज्य महानगरपालिका, नगरपालिका, नगरपरिषद कामगार व कर्मचारी फेडरेशन के अध्यक्ष शशिकांत उर्फ बबनराव झिंजुर्डे (पिंपरी-चिंचवड़) एवं प्रमुख सरचिटणीस गणेश शिंगे (नादेंड), गौतम खरात (संभाजी नगर)प्रमुख

सरचिटणीस,एडवोकेट सुरेश ठाकुर नवी मुंबई सरचिटणीस,शब्बीर विद्रोही लातूर सरचिटणीस, अशोक जानराव सोलापुर, अनिल जाधव पनवेल, संतोष पवार उरण,संजय वडावकर सरचिटणीस एचएमएस, मनिषा कांकड़ एवं राज्य के प्रमुख कामगार नेता उपस्थित थे।उपस्थित सभी मेहमान अतिथियों के स्वागत हेतु यशवंतराव देशाई (कार्याध्यक्ष - म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई) उपस्थित थे। कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप ने बताया कि अतिथियों के स्वागत हेतु म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई के अध्यक्ष अशोक जाधव के साथ एडवोकेट महाबल शेट्टी प्रमुख सलाहकार,वामन कविस्कर सरचिटणीस,शरद राघव कोषाध्यक्ष, मोहिते, प्रदीप नारकर, शैलेन्द्र खानविलकर,मधुवंती चव्हाण, प्रफुल्लता दलवी,एडवोकेट योगेश नाईक,मंगेश पेडामकर के साथ सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनियन के पूर्व नेता जार्ज फर्नांडिस एवं शरद यादव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्जवलित किया गया।म्युनिसिपल मजदूर यूनियन मुंबई के पदाधिकारियों के उत्कृष्ट कार्य हेतु उपस्थित अतिथियों ने अशोक जाधव,वामन कविस्कर, यशवंतराव देशाई एवं सामाजिक कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हेतु डॉ की उपाधि प्राप्त डॉ मंगेश पेडामकर को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। सूत्र संचालन सुश्री यशोदा पाटील ने किया।

14 केंद्रों पर होगी जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

बस्ती,ब्यूरो। जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर 18 जनवरी को जवाहर नवोदय विद्यालय में छठवीं कक्षा में प्रवेश परीक्षा सुबह 11 बजे से कराई जाएगी। तैयारी के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अमित सक्सेना और परीक्षा प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में एक परीक्षा केंद्र बनाया गया है। पंजीकरण के अनुसार कुल 5762 परीक्षार्थियों को इस प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना है। प्रवेश परीक्षा के लिए, निर्धारित किए गए केंद्रों के प्रधानाचार्य को इसकी सूचना दे दी गई है। इस बाबत बृहस्पतिवार को जनपद मुख्यालय के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान की अध्यक्षता में बैठक कर रूपरेखा भी तय की गई है। परीक्षा को निष्पक्ष एवं सुविधा पूर्ण संपन्न कराने के लिए सचल दस्तों के गठन के साथ सेक्टर मजिस्ट्रेट भी बनाए गए हैं।

न्यायालय की तीसरी मंजिल से कैदी ने लगाई छलांग, हालत गंभीर

बाराबंकी (उत्तरशक्ति)। बाराबंकी जिला कारागार से अदालत लाया गया कैदी न्यायालय की तीसरी मंजिल से अचानक कूद गया। इससे कचहरी में अफरातफरी मच गई। गंभीर हालत में कैदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जयपुर थाना क्षेत्र के टिकरा मुर्तजा गांव निवासी इसरात (50) को एनडीपीएस के एक मामले में शुक्रवार दोपहर जिला न्यायालय लाया गया था और उसे कोर्ट नंबर 37 में पेश करना था। बताते हैं कोर्ट की ओर जाते समय इसरात ने अचानक तीन मंजिला इमारत से छलांग लगा दी। न्यायालय सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी उसे आनन फानन वहां से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि पैरों में गंभीर चोटें आई हैं फिलहाल कैदी बेहोशी की अवस्था में है। हादसे की खबर सुनने के बाद मौके पर उसके परिजन भी पहुंच गए। जेल अधीक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि पता चला है कि इसरात किसी मामले में उम्र कैद की सजा काट रहा था।

ठगी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। यूपी के रायबरेली में मोबाइल वाईफाई टॉवर के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को एसटीएफ लखनऊ और डलमऊ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन्हें लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार से गिरफ्तार किया गया है। इस रैकेट में दो और लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस टीम इनकी तलाश कर रही है। आरोपियों के पास से एक कार, कई मोबाइल कंपनियों को फर्जी कागज, मुहरें, बीएसएनएल का लेटर, कूटरचित कंफर्मेशन फार्म, वोटर आईडी, आधार कार्ड, आठ मोबाइल, 13,200 रुपये बरामद किए गए हैं। निजी टेलीकॉम कंपनियों के फर्जी लेटर पैड और कागजात बनाकर मोबाइल वाईफाई बेंचने का नेटवर्क चलाने वाले ग्राम तेंदुवारी थाना गौरीबाजार जिला देवरिया निवासी सुनील श्रीवास्तव, अजय कुमार सिंह, अतिउल्ला अंसारी, पदुमनाथ दुबे और ग्राम सेमरा थाना कसैया जिला कुशीनगर निवासी इसराफिल को एसटीएफ और डलमऊ पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर लखनऊ के गोमती नगर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी ग्राम प्रधानों और आर्थिक संपन्न लोगों को निशाना बनाते थे। देश की नामी टेलीकॉम कंपनियों के वाईफाई टॉवर लगाने का झांसा देकर ठगी की जाती थी। जालसाज मोबाइल के माध्यम से फोन करते थे और उनको वाईफाई टॉवर कम दाम में लगाने का झांसा देते थे। सारी डील मोबाइल से ही होती थी। जिस किसी को गिरोह के सदस्य निशाना बनाते थे, उसके पैसे ऑनलाइन बैंकिंग से खाते में मंगा जाते थे। साथ ही शिकार के बाद मोबाइल सिम तोड़ दिया जाता था। यह रैकेट काफी समय से जिले में भी चल रहा था। जिस पर एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने टीम लगाई थी। डलमऊ पुलिस और एसटीएफ ने रैकेट के पांच सदस्यों को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ की तो पता लगा कि रैकेट में निरंकार सिंह और रोहित सिंह भी शामिल हैं। पुलिस दोनों की धरपकड़ में लग गई है। रैकेट में शामिल सदस्य सड़क पर छतरी लगाकर सिम बेंचने वाले दुकानदारों से सेटिंग करते थे। बताते हैं कि यह दुकानदार ही फर्जी आईडी मुहैय्या कराते थे और मोबाइल सिम देते थे। इसके बदले में मुंहमांगे दाम लिए जाते थे। एक बार ठगी करने के बाद गिरोह के सदस्य सिम तोड़ देते थे। नए सिम के लिए इस तरह के दुकानदारों का पता लगाकर उनसे नया सिम खरीदते थे। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। दो की तलाश की जा रही है।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने अउएद्अ परीक्षाएं 10 अलग भाषाओं में करवाने की घोषणा की

मुंबई। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने भारत के पहले और एकमात्र बहुभाषी डिज़ाइन एंट्रेन्स टेस्ट अनंत डिज़ाइन एंट्रेंस एण्ड प्रोफिशियेंसी टेस्ट को 10 भाषाओं में करवाने की घोषणा की है। यह भाषाएं हैं। अंग्रेज़ी, हिन्दी, गुजराती, मराठी, बंगाली, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, मलयालम और पंजाबी। यह पहल समावेशिता और डिज़ाइन की शिक्षा को सभी की पहुँच में लाने के लिये अनंत की अटूट प्रतिबद्धता दिखाती है। इससे सुनिश्चित होगा कि विभिन्न सांस्कृतिक एवं भाषाई पृष्ठभूमि के आकांक्षी डिज़ाइनरों को समान रूप से अवसर मिलेंगे। अउएद्अ 26 जनवरी, 2025 को ऑनलाइन होगा। पिछले साल अनंत ने अउएद्अ को पाँच भाषाओं में प्रस्तुत कर एक अभूतपूर्व कदम उठाया था। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंटअजय पिरामल की फिलोसॉफी डिज़ाइन भाषा से इतर होती है, से प्रेरित होकर इस पहल का लक्ष्य था बाधाएं तोड़ना और पूरे भारत के विद्यार्थियों के लिये अवसरों के दरवाजे खोलना। बी.डीईएस क्लास ऑफ 2028 ने यूनिवर्सिटी के इतिहास में सबसे बड़ा बनकर इसकी सफलता का प्रमाण दिया है। उसमें 4 देशों, भारत के 30 राज्यों और 283 शहरों से 478 विद्यार्थी एक साथ थे। इस उपलब्धि के आधार पर अनंत नये साल में अउएद्अ की पेशकश 10 भाषाओं में करते हुए एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रही है। यह विस्तार सीखने का एक विविधतापूर्ण एवं समावेशी वातावरण बनाने के लिये अनंत की सोच दिखाता है। ऐसा वातावरण, जिसमें विद्यार्थी अपने जुनून को जी सकें और डिज़ाइन के माध्यम से समाज में सार्थक योगदान दे सकें। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी की प्रोवोस्ट डॉ. अनुनया चौबे ने जोर देकर कहा, हमारा मिशन एक समावेशी शैक्षणिक माहौल बनाना है, जहाँ प्रतिभा के फलने-फूलने में भाषा की बाधा न हो।

रियलमी ने दुनिया का पहला कोल्ड सेंसिटिव कलर चेंजिंग फोन लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। रियलमी ने अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में अत्याधुनिक उत्पाद - रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी और रियलमी बड्स वायरलेस 5 पेश किए। रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी दो इनोवेटिव मॉडलों रियलमी 14 प्रो 5जी और रियलमी 14 प्रो प्लस 5जी के साथ आ रही है। इन दोनों स्मार्टफोंस को मशहूर डेनिश डिज़ाइन स्टूडियो, वेल्योर डिज़ाइनर्स के सहयोग से बनाया गया है। इनके साथ दुनिया में पहले कोल्ड-सेंसिटिव कलर चेंजिंग स्मार्टफोंस की शुरुआत हो रही है। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ह्यहम अपने लेटेस्ट इनोवेशन - रियलमी 14 प्रो सीरीज और रियलमी बड्स वायरलेस 5एएनसी लॉन्च करके बहुत उत्साहित हैं। रियलमी 14 प्रो प्लस 5जी तीन आकर्षक रंगों - पर्ल व्हाईट, स्वेड ग्रे, और बीकानेर पर्पल में मिलेगा। यह तीन स्टोरेज विकल्पों में 8जीबी प्लस 128जीबी के लिए 27,999 रुपये, 8जीबी प्लस 256जीबी के लिए 29,999 रुपये और 12जीबी प्लस 256जीबी के लिए 30,999 रुपये में मिलेगा। रियलमी 14 प्रो 5जी तीन आकर्षक रंगों - पर्ल व्हाईट, स्वेड ग्रे और केवल भारत के लिए पेश किए गए जयपुर पिंक में मिलेगा। इसका 8जीबी प्लस 128जीबी वैरिएंट 22,999 रुपये में और 8जीबी प्लस 256जीबी वैरिएंट 24,999 रुपये में मिलेगा।

राष्ट्रीय डायग्नोस्टिक्स फोरम और अवार्ड्स सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई। प्रभावी स्वास्थ्य सेवा का आधार माने जाने वाले डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र ने भारत में रोगों की शीघ्र पहचान, प्रबंधन, और बेहतर रोगी परिणामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश वर्तमान में बढ़ते रोग भार और विकसित हो रही स्वास्थ्य सेवा मांगों के दोहरे चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र पहुंच, किफायती सेवा, और नवाचार में अंतर को पाटने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी संदर्भ में वॉइस ऑफ हेल्थकेयर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय डायग्नोस्टिक्स फोरम और अवार्ड्स 2025 के तीसरे संस्करण का आयोजन वेस्टिन गोरेगांव, मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन ने उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों, नीति निमार्ताओं और नवप्रवर्तकों को डायग्नोस्टिक्स के भविष्य को आकार देने के लिए एक मंच पर लाया। कार्यक्रम की शुरूआत शुभारंभ सत्र से हुई, जिसमें श्री संजय झा, वॉइस ऑफ हेल्थकेयर के सचिव ने उद्घाटन संबोधन दिया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत बनाने में डायग्नोस्टिक्स के महत्व को रेखांकित किया और उद्योग की बदलती चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ह्लडायग्नोस्टिक्स चिकित्सा क्षेत्र में अधिकतर निर्णयों का आधार है। हालांकि, कभी-कभी मरीज और डॉक्टर इसकी महत्वता को नजरअंदाज कर देते हैं और गैर-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे परिणामों की सटीकता पर असर पड़ता है। यह डायग्नोस्टिक्स में गुणवत्ता मानकों की कड़ाई से पालन करने की आवश्यकता को दर्शाता है। इसके बाद डॉ. नवीन निश्छल, वॉइस ऑफ हेल्थकेयर के संस्थापक ने स्वागत भाषण दिया और डायग्नोस्टिक्स में बाधाओं को दूर करने के लिए साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. दक्ष शाह, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, मुंबई महानगरपालिका की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने मुख्य भाषण में डायग्नोस्टिक्स और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों के एकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

चोरी की बाइक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

देवगांव (आजमगढ़)। देवगांव कोतवाली पुलिस बुधवार को प्राइमरी विद्यालय चक अफुई जिगनी के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बाइक आती दिखाई दी। उक्त बाइक पर सवार व्यक्ति को पुलिस ने रुकने के लिए इशारा किया तो वह बाइक को पीछे मोड़कर भागना चाहा तो पुलिस ने शंका होने पर उसे पकड़ लिया। आरोपी दीपक यादव मेंहनगर थाना क्षेत्र के मालपार गांव का निवासी है। वह दीपक हिस्ट्रीशीटर है। लूट की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

उसके पास से चोरी की बाइक, लूट के रुपये व तमंचा व कारतूस बरामद किया। आरोपी ने बताया कि 20 नवंबर 2024 को वह अपने साथी सर्वेश यादव निवासी मीरपुर केराकत जौनपुर के साथ मिलकर करीब तीन बजे दिन में खनियरा इंडियन गैस एजेंसी के पास साइकिल से आ रहे दो व्यक्ति का झोला छीन कर भाग गए थे। झोले में 30 हजार रुपये मिले थे। इसकों वह सर्वेश यादव आपस में आधा आधा बांट लिए थे।

अटल सेवा केन्द्र द्वारा रोजगार मेला 19 जनवरी को

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था अटल सेवा केंद्र की से ओर 19 जनवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक अंधेरी (पूर्व) के कोलडोंगरी-सहार रोड स्थित नित्यानंद मनपा शाला परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। मेले में योग्यता व अनुभव के आधार पर बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराया जाएगा। इक्विटास बैंक, रोटरी क्लब निओ तथा कौशल विकास मंत्रालय, महाराष्ट्र राज्य के सहयोग से आयोजित इस एक दिवसीय मेले मेले के संबंध में अटल सेवा केंद्र संचालक व पूर्व नगरसेवक अभिजीत सामंत ने बताया कि यह रोजगकर मेला विगत 8 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। मेले का यह 9 वां वर्ष है। इस रोजगार मेले में नवभारत फटीर्लाइजर, फॉरट्यूना इंजीनियर्स, टेकनिक वाल्व्स जैसी 33 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग ले रही हैं,जो इंजीनियरिंग, बैंकिंग, इंश्योरेंस, फाइनेंस, लॉजिस्टिक्स और हॉस्पिटैलिटी सहित कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। इस रोजगार मेले में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के लिए एलआईसी की विशेष योजना के तहत तीन वर्षों तक हर महीने भत्ता देने की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इच्छुक महिलाओं का पंजीकरण भी किया जाएगा। यह रोजगार मेला न केवल नए नौकरी चाहने वाले युवाओं के लिए, बल्कि नौकरी बदलने के इच्छुक अनुभवी व्यक्तियों के लिए भी लाभदायक होगा। इस अवसर पर अतिथि के रूप में राज्य सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढा, एड.आशीष शेलार, विधायक पराग अलवणी, विधायक अमित साटम, विधायक मुरजी पटेल,भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी और पूर्व नगरसेविका संध्या सुनील यादव आदि लोग उपस्थित रहेंगे।

पुलिस ने 40 लाख रुपये की हेरोइन के साथ पांच आरोपी को किया अरेस्ट

बलिया(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय की शहर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को बिहार निवासी पांच लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 40 लाख रुपये मूल्य की 200 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) कृपा शंकर ने बताया कि मादक पदार्थों के विरोध में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बलिया शहर कोतवाली पुलिस द्वारा जनेश्वर मिश्र सेतु स्थित पुलिस पिकेट पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि इसी दौरान एक चार पहिया वाहन बिहार की तरफ से आते हुए दिखाई दिया जिसे पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। इसपर वाहन चालक ने वाहने पीछे मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम वाहन की तरफ दौड़ी तो गाड़ी का गेट खोलकर पांच लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने सभी को घेरकर पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि पकड़े गये व्यक्तियों की पहचान पिंटू कुमार, अरविन्द कुमार, लवकुश तिवारी, मुन्ना कुमार, विकास कुमार तिवारी (सभी बिहार राज्य के निवासी) के रूप में हुई। आरोपियों के पास से 40 लाख रुपये मूल्य की 200 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इस संबंध में बलिया शहर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत किए गए हैं तथा पांचों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

अमृत नोनी अर्थ प्लस का क्लिनिकल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हुआ

मुंबई। आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, अमृत नोनी ने अपने प्रमुख उत्पाद अमृत नोनी अर्थ प्लस के लिए मानव क्लिनिकल परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण नालंदा क्लिनसर्व के सहयोग से और सीटीआरआई-रेग इंडिया के सख्त दिशानिदेर्शों के तहत आयोजित किया गया, जो अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रभावी समाधान प्रदान करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। बेंगलुरु में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. ए.के. श्रीनिवासमूर्ति, मैनेजिंग डायरेक्टर, वैलयू प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने आर्थराइटिस के लिए नवीन उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत में इस समस्या से 210 मिलियन से अधिक लोग, यानी देश की 15% आबादी, प्रभावित हैं। आर्थराइटिस में ऑस्टियोआर्थराइटिस, रुमेटीइड आर्थराइटिस और गाउट जैसे 100 से अधिक प्रकार शामिल हैं, यह बीमारी कैंसर, एड्स और मधुमेह से भी अधिक प्रचलित है। उन्होंने कहा, ?तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली में बदलाव के कारण आर्थराइटिस युवा लोगों के लिए भी एक समस्या बन गई है । हालांकि इसका कोई पूर्ण इलाज नहीं है, लेकिन हमें सुरक्षित और अधिक प्रभावी प्रबंधन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।श्रीमती मंगलाम्बिके, मैनेजिंग डायरेक्टर, ओम श्री मार्केटिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ने इस उत्पाद के उन्नत शोध और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अनुभवी आयुर्वेदिक डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के सहयोग से विकसित अमृत नोनी ऑर्थो प्लस जोड़ों के दर्द के इलाज के लिए भारत का सबसे अधिक बिकने वाला उत्पाद बन गया है। इसके अद्वितीय और प्रभावी फॉमूर्ले से 30 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहकों को घुटनों, पीठ और कूल्हों के दर्द से राहत मिली है।

ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से युवक की मौत

आजमगढ़। पल्हना बाजार में साइकिल से दवा लेने आई एक लड़की की ट्रैक्टर से दब जाने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे के बाद से परिवार में मातम छाया हुआ है। तरवां थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर भरथीपुर गांव निवासी चंद्रकला (27) पुत्री रामूराम बृहस्पतिवार को साइकिल से दवा लेने के लिए पल्हना बाजार गई थी। लहुआ तिराहे पर पहुंची ही थी कि ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे से परिवार में मातम छाया हुआ है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। वहीं, परिवार में मातम छाया हुआ है। ट्रैक्टर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया जबकि ड्राइवर फरार हो गया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने वृद्ध को कुचला

मऊ(उत्तरशक्ति)। मऊ के घोसी कोतवाली क्षेत्र के नवापुरा फोरलेन पर शुक्रवार की सुबह आठ बजे ट्रेलर की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से वाहन को छोड़कर भाग गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घोसी के घोसी कोतवाली क्षेत्र के मिर्जा जमालपुर गांव निवासी चंद्रभान (52) पुत्र सहती बाजार में मोची का काम करता है। बाजार में ही वह फुटपाथ पर अपनी दुकान लगाता था। शुक्रवार की सुबह आठ बजे वह फोरलेन से होकर अपनी दुकान पर जा रहा था। वह घर से महज कुछ दूरी पर पहुंचा था कि नवापुरा के पास ट्रेलर की चपेट में आ गया। घटना स्थल पर उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौत के बाद ट्रेलर चालक मौके पर वाहन को छोड़कर भाग गया। इसी बीच, वहां पर लोगों की भीड़ लग गई। किसी ने घटना की जानकारी डायल 112 को दिया। पुलिस ने मृतक के परिजन को जानकारी देते हुए सभी आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। टक्कर मारने वाले ट्रेलर को कब्जे में लेकर थाने लेकर गई। मृतक अपने पीछे मां, पत्नी ज्ञानती देवी, पुत्र गोपाल, अजीत, कवलेश, एवं पुत्री सोनम को छोड़ गया। सभी का रोते रोते बुरा हाल था। गोपाल को छोड़कर अभी किसी का विवाह नहीं हुआ है। घर के एकमात्र कमाऊ की मौत से परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट आ गया है।

दो बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत, मां-बेटे की मौत

अमेठी (उत्तरशक्ति)। यूपी के अमेठी में शुक्रवार को बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं दूसरी बाइक पर सवार तीन युवक घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल सुल्तानपुर में उपचार चल रहा है। मां-बेटे की मौत से गांव में कोहराम मचा है। हादसा मुंशीगंज थाना क्षेत्र में टांडा-बांदा हाईवे स्थित जामो-भादर चौराहे पर हुआ। मुसाफिरखाना थानाक्षेत्र के समशेरियां गांव निवासी राकेश कुमार (24) शुक्रवार को बाइक से अपनी मां घुटूरा (55) संग अमेठी टिकरी गांव मौसी के घर किसी काम से जा रहे थे। रास्ते में मुंशीगंज थानाक्षेत्र से गुजरने वाले टांडा-बांदा हाईवे स्थित जामो-भादर चौराहे पर सामने से रही बाइक से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में राकेश कुमार व घुटूरा संग दूसरी बाइक सवार सुल्तानपुर जिले के लंभुआ थानाक्षेत्र के मदनपुर देवर गांव निवासी विवेक कुमार (22) मनीष श्रीवास्तव (21) वर्ष व अंकित कुमार सरोज (23) भी घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां, प्राथमिक उपचार के बाद सभी की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया। सभी को सुल्तानपुर जिला अस्पताल में पहुंचाया गया।

जहां डॉक्टरों ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य तीनों को भर्ती कर उपचार करना शुरू कर दिया। मां-बेटे के मौत की सूचना गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। एसएचओ शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाते हुए परिजनों को सूचना दी गई है। मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

यदि तहरीर मिलती है तो केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सड़क हादसे में राकेश व घुटुरा के मौत की सूचना से समशेरियां गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की बहन रीता, सुनीता, विनीता, संगीता व शिवांशी की रोकर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी क्रांति की करुणवेदना देख ग्रामीणों की आंखों से भी आंसू छलक पड़े। मृतक के पुत्र आयुष व पीयूष पिता के मौत से अंजान कभी मां को चुप कराने की कोशिश करते हुए कभी खुद भी रोने लगते। मासूम की करुणवेदना से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। मृतक के पिता बाबूलाल व भाई मुकेश सूचना के बाद सुल्तानपुर रवाना हो गए हैं। ग्रामीण व रिश्तेदार मां-बेटे का शव गांव आने का इंतजार करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाने में जुटे हैं। सड़क हादसे में मृतक राकेश कुमार चंडीगढ़ में प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। 16 जनवरी को बड़े बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए 15 जनवरी को राकेश घर आया था। बृहस्पतिवार को जन्मदिन कार्यक्रम के बाद शुक्रवार को मां को लेकर मौसी के घर जा रहा था, लेकिन किसी को क्या पता कि यह मां-बेटे की अंतिम यात्रा होगी।

नीलगाय से टकराई कार, युवक की मौत

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के मलगांव गांव के पास बीती रात रोड पर अचानक नीलगाय आ जाने से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें एक युवक की मौत के साथ ही चार लोग घायल हो गए हैं। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। बीती रात लगभग आठ बजे दीदारगंज थाना क्षेत्र के पुष्पनगर गांव निवासी प्रेम मोहन अग्रहरि उर्फ पिंकू (36) पुत्र रामनयन की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रेम मोहन गुरुवार को अपने चार साथियों आशीष यादव खेतासराय, संतोष राजभर फुलेश, गुड्डू प्रजापति फुलेश, डॉ. राजू गुप्ता खेतासराय के साथ स्विफ्ट डिजायर कार से दीदारगंज से अंबारी जा रहा था। फूलपुर कोतवाली के मलगांव के पास दीदारगंज-अंबारी मार्ग पर अचानक नील गाय आ जाने से कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

इस हादसे में कार सवार प्रेम मोहन अग्रहरि उर्फ पिंकू की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर फूलपुर तथा दीदारगंज की पुलिस मौके पर पंहुची शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को इलाज के लिए फूलपुर ले गई। यहां से चिकित्सक ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। गम्भीर रूप से घायलों का इलाज जौनपुर में चल रहा है। वहीं, मृतक के घर पर मौत की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी रागिनी तथा परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक तीन भाइयों में दूसरे स्थान पर था। दो बच्चों अर्पित (7) तथा डुग्गू (3) वर्ष का पिता है।

पशु तस्करों ने पिकअप से राहगीर को रौंदा

बस्ती (उत्तरशक्ति)। पुलिस से बचने के चक्कर में पशु तस्करों ने बस्ती के पाण्डेय बाजार में एक राहगीर को अपने वाहन से रौंद दिया। बाद में पुलिस ने पुरानी बस्ती क्षेत्र के सबदेइया कला गांव में भाग रहे तस्करों की घेराबंदी की, जहां मुठभेड़ में तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों के पैर में गोली लगी है। पकड़े गए तस्कर रामपुर, संतकबीरनगर व कुशीनगर के रहने वाले हैं। वहीं, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि बुधवार रात सूचना मिली कि एक पिकअप पर गोंडा से गोवंशीय पशु लाद कर हाईवे होते हुए बिहार की ओर जा रहे हैं। गौर पुलिस ने पिकअप का पीछा किया तो तस्कर वाल्टरगंज क्षेत्र से होते हुए पुरानी बस्ती क्षेत्र के पाण्डेय बाजार की ओर भागे। वे रेलवे लाइन पार करके शहर के अंदर आना चाहते थे, लेकिन रेलवे फाटक बंद था। वापस होने के लिए वे तेजी से गाड़ी मोड़ने लगे। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति चपेट में आ गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उधर, पुलिस पीछे लगी रही तो फोरलेन पर सबदेईया कला के पास घिरने के बाद तस्करों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। गोली पुरानी बस्ती के एसओ महेश सिंह व वाल्टरगंज के एसओ उमाशंकर तिवारी के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में रामपुर जिले के बंगला आजादपुर निवासी असीम और संतकबीरनगर जिले के मोहम्मदपुर कटहर निवासी राजेश निषाद और कुशीनगर के पटेहरवा के अब्दुल रहीम के पैरों में गोली लगी।

माता-पिता सम्मान दिवस मनाया गया

कल्याण। कल्याण पूर्व स्थित होली होराइजन स्कूल में माता पिता सम्मान दिवस मनाया गया. स्कूल के प्रिंसिपल डॉ.रमाकांत क्षितिज ने बताया कि इस अवसर पर माता पिता के प्रति आदर सम्मान बच्चों में बना रहे इस दिशा में उन्हें अनेक जानकारी दी गई. इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने माता-पिता की आरती उतारते हुए उन्हें टीका लगाया. माता-पिता ने भी बच्चों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया. आयोजन में छात्र-छात्राओं, पालकों और शिक्षकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया. प्रतिवर्ष स्कूल में मनाए जाने वाले इस उत्सव की चर्चा पूरे परिसर में हो रही है.

भारत की वित्तीय जरूरतों को भरोसे और पारदर्शिता के साथ पूरा कर रहा हैं

मुंबई। भारत के गतिशील वित्तीय परिदृश्य में, उपभोक्ताओं के लिए विश्वास सर्वोपरि है। होम क्रेडिट इंडिया इस बात को भलीभांति समझता है और उसने अपनी सभी गतिविधियों के मूल में विश्वास को रखा है व पारदर्शिता, नैतिक तरीकों और एक ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर मजबूत ग्राहक संबंध बनाए हैं। होम क्रेडिट इंडिया का मानना है कि विश्वास किसी भी सार्थक ऋणदाता-ऋण प्राप्तकर्ता के बीच संबंध की नींव है। कंपनी सुलभ और पारदर्शी वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जो व्यक्तियों को आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाते हैं। अनुकूलित वित्तीय समाधानः भारतीय ऋण लेने वालों की विविध आवश्यकताओं को पहचानते हुए, होम क्रेडिट इंडिया व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विविध उत्पाद पेश करता है। यह व्यक्तिगत दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को ऐसे समाधान मिलें जो उनकी विशिष्ट परिस्थितियों के अनुकूल हों।

शिष्ट मंडल ने पूर्व जिला पंचायत चेयरमैन वाराणसी डॉ सुजीत कुमार सिंह से की मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा के एक शिष्ट मंडल जिसमें समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों ने पूर्व जिला पंचायत चेयरमैन वाराणसी डॉ सुजीत कुमार सिंह से उनके मुंबई के जोगेश्वरी स्थित निजी आवास पर मुलाकात की। डॉ सुजीत कुमार सिंह की पत्नी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। डॉ सुजीत कुमार सिंह के बड़े भाई सुशील सिंह विधायक सैयदराजा है,पूरा परिवार राजनीतिक रूप से काफी सशक्त और समृद्ध है। इतना सब वैभव होने के बाद भी डॉ सुजीत कुमार सिंह बेहद ही विनम्र मृदुभाषी सहृदय और परोपकार की भावना से ओतप्रोत है। उनकी यही विशेषता उन्हें विशेष से विशेषतम की श्रेणी में रखती है। उनकी पत्नी की स्वास्थ्य की जानकारी के लिए मिलने वाले बड़ी संख्या में आ रहे है उनसे मिलने वालो में भवन निमार्ता अजय सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह, राधेश्याम सिंह रघुवंशी, विशाल सिंह ननवक,और ब्लॉक प्रमुख चिरइगांव समेत कई अन्य विशिष्ट लोग उपस्थित रहे।

जर्मनी में प्रवासी भारतीयों को खूब भाया हाथ से बनी भारतीय कालीनें

वाराणसी। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली द्वारा चार दिवसीय हेमटेक्सटाइल फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में शुक्रवार को संपन्न हो गया है। इस फेयर का आयोजन 14-17 जनवरी तक किया गया। सीईपीसी का दावा है कि फेयर में भारतीय कालीनें खूब पसंद की गयी। फेयर में पहुंचे तकरीबन सौ से अधिक भारतीय कालीन निर्माताओं के स्टालों पर बुनकरों के हाड़तोड़ मेहनत से बनी नक्काशीदार कालीनों की पहले के सापेक्ष इस साल कुछ ज्यादा ही डिमांड रही। मेले की सफलता एवं प्रतिभागियों द्वारा इस फेयर में भाग लेने से सीईपीसी काफी प्रसन्नचित रही। परिषद के प्रयासों की निर्यातकों ने सराहना की है।

परिषद का कहना है कि फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित होम और टेक्सटाइल के लिए दुनिया के अग्रणी व्यापार मेला हेमटेक्सटाइल 2025 में गर्व से भाग लिया। इस मेले में हस्तनिर्मित कालीनों और गलीचों में भारत की अद्वितीय विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया गया, जिसने देश की जीवंत शिल्प कौशल और विविधता को उजागर किया। इस मेले में भारत के कपड़ा उद्योग से 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें कालीन और गलीचे क्षेत्र से लगभग 100 प्रदर्शक शामिल थे। भदोही, पानीपत और जयपुर जैसे प्रमुख केंद्रों का अच्छा प्रतिनिधित्व था, जो वैश्विक हस्तनिर्मित कालीन बाजार में भारत की मजबूत पकड़ को दर्शाता है। हेमटेक्सटाइल-2025 में भारतीय प वेलियन का उद्घाटन केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र मंत्रालय के अपर सचिव रोहित कंसल व जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में भारत के महावाणिज्यदूत बी.एस. मुबारक की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। विशिष्ट उपस्थिति सीईपीसी चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल, संजय गुप्ता, शौकत खान, रोहित गुप्ता प्रशासनिक समिति के सदस्य, सीईपीसी एवं कार्यकारी निदेशक (कार्यवाहक) डॉ. स्मिता नागरकोटी शामिल थीं। गणमान्य व्यक्तियों ने डिजाइनों की असाधारण रेंज, विशेष रूप से अभिनव जूट-आधारित कालीनों की सराहना की। भारत टेक्स 2025 द्वारा आयोजित रात्रिभोज में अपने संबोधन में वस्त्र मंत्री ने कहा, ह्यदुनिया अब अपनी वस्त्र आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत पर ध्यान केंद्रित कर रही है, उन्होंने वैश्विक वस्त्र उद्योग में भारत की बढ़ती प्रमुखता पर जोर दिया। हेमटेक्सटाइल- 2025 भारत के हस्तनिर्मित कालीनों और गलीचों को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें सभी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद (म्च्बे) देश की समृद्ध वस्त्र विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एकजुट होते हैं। भारत की बेजोड़ शिल्पकला को दशार्ते कालीन और गलीचे हॉल 3.0 और हॉल 5.0 में प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। सीईपीसी ने हॉल 3.0 में 46 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिन्होंने हस्तनिर्मित कालीनों और गलीचों का एक उत्कृष्ट संग्रह प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने वाले अन्य प्रदर्शकों ने जीवंत प्रदर्शन को और समृद्ध किया।

वसई में स्वामी विवेकानंद जयंती के निमित्त मनाया गया युवा दिन

वसई। राजपूताना परिवार फाउंडेशन, महाराणा प्रताप स्मारक समिति, समर्थ मराठा संस्था एवं भारत विकास परिषद द्वारा वसई के वर्तक विद्यावर्धिनी महाविद्यालय के सभागार में विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में युवा दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक एकत्र हुए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संत तुकाराम जी के वंशज अनिकेत महाराज ने प्रथम सत्र में सनातन धर्म के बारे में फैले हुए मिथकों तथा उसी के बारे में रहे हुए तथ्य पर अपना व्याख्यान दिए।

द्वितीय सत्र में देश के प्रबुद्ध विचारक एवं सुविख्यात वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने युवाओं में राष्ट्रीय भावना जगाते हुए सनातन संस्कृति तथा देश पर हुए विभिन्न आक्रमणों का प्रभाव तथा देश में आजादी के बाद से रही हुई विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करके सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. डॉ. बाबासाहब अंबेडकर एवं संविधान के बारे में बताते हुए उन्होने कहा कि भारतीय परंपरा के अनुसार संविधान के मूलप्रति में हिन्दू देवी देवताओं की तस्वीरें थी, जिसे हटाया गया, राजनीतिक पार्टियों ने बार-बार संविधान में बदलाव कर बहुसंख्य हिन्दूओं पर अन्याय किया.उन्होने कहा कि देश का सोया हुआ हिन्दू ही हिन्दुराष्ट्र की निर्मिती में सबसे बडी रुकावट है। कार्यक्रम के प्रारंभ में बौद्ध संत भन्ते कीर्तिप्रियू नागसेन, आरएसएस के जिलाप्रमुख उमेश मिस्त्री एवं नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ.ओमप्रकाश दुबे ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया.राजपूताना परिवार के अध्यक्ष दद्दन सिंह ने संत अनिकेत मौर्य महाराज, प्रमुख वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ, मार्गदर्शक डॉ. ओमप्रकाश दूबे का शाल, श्रीफल, गुलदस्ता तथा स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया. दूसरे सत्र के आरंभ में दद्दन सिंह ने इस कार्यक्रम के आयोजन के बारे में श्रोताओं को अपने मन के विचार से अवगत कराया. डॉ.ओमप्रकाश दुबे ने दद्दन सिंह के राजपूताना परिवार द्वारा अनेक वर्षों से किये जा रहे राष्ट्रजागरण के कार्य एवं सनातन संस्कृति तथा सभ्यता के प्रचार प्रसार के कार्य के बारे में श्रोताओं को विस्तार से जानकारी दी. कार्यक्रम के अंत में दद्दन सिंह जी ने उपस्थित सभी श्रोताओं का वक्ताओं का एवं कार्यक्रम से संबंधित अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया उत्तम अल्पोपहार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने नया सुपर कैश सुप्रीम प्लान लॉन्च किया

मुंबई। भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी नई पेशकश, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस सुपर कैश सुप्रीम प्लान के साथ दो बेमिसाल राइडर्स- क्रिटिकल शील्ड राइडर और एक्सीडेंट केयर राइडर पेश किए हैं। यह प्लान तुरंत नकदी सहायता के साथ-साथ लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा का बेजोड़ संगम है, और इसी वजह से यह उन लोगों के लिए सबसे बेहतर विकल्प बन गया है, जो अपने परिवारों के लिए स्थिर आय के साथ-साथ व्यापक सुरक्षा चाहते हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ₹द ह्यूमन पोटेंशियल कॉन्क्लेव - इग्नाइट 2025 के आयोजन की घोषणा

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ₹ह्यूमन पोटेंशियल कॉन्क्लेव इग्नाइट - 2025₹ के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की गई है, जो पूरे भारत के बैंकों के मानव संसाधन और प्रशिक्षण प्रमुखों की एक प्रतिष्ठित सभा है. यह दो दिवसीय सम्मेलन 17 और 18 जनवरी, 2025 को बेंगलुरु में यूनियन बैंक ज्ञानार्जन केंद्र में आयोजित किया जाएगा. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, उद्योग में गर्व से अग्रणी, द्वारा प्रथम मानव संसाधन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन का उद्देश्य बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लीडर्स को मानव संसाधन में नए ट्रेंड, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाना है. इस कार्यक्रम में मुख्य भाषण, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग सत्र शामिल होंगे, जो ज्ञान साझा करने और सहयोग के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेंगे. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) के सचिव श्री नागराजू मद्दिराला द्वारा इस सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया जाएगा.

जनपद जौनपुर के दामाद बनेंगे क्रिकेटर रिंकू सिंह सांसद प्रिया सरोज के परिजनों ने की पहली मुलाकात

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मछलीशहर की युवा सांसद प्रिया सरोज जल्द ही शादी के बन्धन में बंधने जा रही हैं। बता दें कि मछलीशहर की युवा सांसद प्रिया सरोज की शादी की बात क्रिकेटर रिंकू सिंह से चल रही है। सांसद प्रिया सरोज के पिता व केराकत विधायक तूफानी सरोज ने कहा है कि वर्तमान में सगाई की खबर झूठी है। हर पिता को बेटी की शादी की चिन्ता रहती है। हमें गर्व है कि हम प्रिया के पिता के नाम से विख्यात हो रहे हैं। क्रिकेटर रिंकू सिंह के परिवार से शादी की बात चल रही है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही सांसद प्रिया सरोज की शादी होगी। सूत्रों की मानें तो सांसद प्रिया सरोज युवा क्रिकेटर बल्लेबाज रिंकू सिंह से शादी करने जा रही हैं। दोनों के बीच रिश्ते की बात गुरुवार को अलीगढ़ जिले में हुई है। उत्तरशक्ति न्यूज के सह- समाप्दक डॉ.इम्तियाज अहमद ने दूरभाष पर खबर की पुष्टि की तो स्वयं केराकत विधायक तूफानी सरोज ने कहा हा परिवार की पहली मुलाकात हुई है ।ईश्वर ने चाहा तो सब कुछ ठीक ही होगा प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी से मछलीशहर सुरक्षित सीट से सांसद हैं। बाएं हाथ का ये क्रिकेटर रिंकू सिंह पिछले दो सालों से टीम इंडिया के लिये बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा पदाधिकारियों ने किया उत्तरशक्ति समाचार पत्र कैलेंडर का विमोचन

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई रोड भारतीय जनता पार्टी मध्यवर्ती कार्यालय दीनदयाल नगर में उत्तरशक्ति समाचार पत्र कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर द्वारा आयोजित किया गया। इसी के साथ वसई रोड मंडल महामंत्री दीपक शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। जिसमें महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महिला मोर्चा सचिव अपर्णा पाटिल, माजी नगर सेवक किरण, एससी मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले, एसटी मोर्चा अध्यक्ष चेतन पगी, वसई रोड मॉडल युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे और उनकी टीम, महेंद्र सिंह कोहली, सुरेश प्रजापति, कल्पेश चौहान, दुर्लभ पढ़ीयार, विजय राज गोर, लालजी कनौजिया, वसई विधानसभा प्रमुख महिला मोर्चा एडवोकेट साधना धूरी, संगीता महादिक, प्रिया प्रेमलवर, पूर्णिमा राज गोर, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष और सारी पार्टी प्रवेश कर रही महिलाओं ने विशेष रूप से इस अवसर पर उपस्थित हुए। सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी ने कैलेंडर विमोचन और दीपक शर्मा का जन्मदिन और विशेष रूप भाजपा सदस्यता अभियान का अपडेट मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर ने लिया। आखिरी चार दिन सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और अपना योगदान देकर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए बताया। अंत में दीपक शर्मा और मुंबई रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने सब को उपस्थित होकर दीपक शर्मा को लंबी आयु की शुभेच्छा दिया उसका आभार व्यक्त किया।

दुनिया की पहली रोबोटिक कार्डियक टेलीसर्जरी को 286 किलोमीटर की दूरी से दिया गया अंजाम

मुंबई। देश में पहली स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक टेक्नोलॉजी के डेवलपर और भारत में निर्मित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली कंपनी एसएस इनोवेशन्स ने मात्र दो दिनों में दुनिया की दो पहली रोबोटिक कार्डियक टेलीसर्जरियों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर विश्वस्तरीय चिकित्सा जगत में इतिहास रच दिया है, कंपनी ने ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जो अब तक हासिल नहीं की गई थी। एसएसआई मंत्रा 3 सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से यह संभव हो पाया, जिसमें 286 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरूग्राम में एसएस इनोवेशन्स का मुख्यालय और जयपुर में मणिपाल हॉस्पिटल्स कनेक्टेड बने रहे। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है, जहां आधुनिक सर्जिकल टेक्नोलॉजी सुलभ एवं प्रभावी ग्लोबल हेल्थकेयर का अभिन्न हिस्सा बन जाएगी। रिमोट के द्वारा टेलीरोबोटिक-असिस्टेड इंटरनल मैमेरी आर्टरी हार्वेस्टिंग की प्रक्रिया को 58 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। गुरूग्राम में एसएसआई मुख्यालय से एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल, इंक के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में और मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर में चीफ ऑफ कार्डियक सर्जरी डॉ ललित मलिक ने जयपुर की रिमोट लोकेशन में विशेषज्ञों की टीम के साथ इस सर्जरी को अंजाम दिया। इस सर्जरी मात्र 35-40 मिलिसैकण्ड की लो लेटेंसी के साथ बेहतरीन सटीकता का प्रदर्शन किया है। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया के बाद एक और- दुनिया की पहली रोबोटिक बीटिंग हार्ट टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बायपास प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, इसे दुनिया की सबसे जटिल कार्डियक सर्जिकल प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है; उसी साझेदारी में मात्र 40 मिलिसैकण्ड की लो लेटेंसी पर यह टेलीसर्जरी की गई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए एसएस इनोवेशन्स के संस्थापक, चेयरमैन और सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, हमें गर्व है कि हमने मानवता को लाभ पहुंचाने के लिए सर्जरी की क्षमता को आधुनिक बनाया है, इससे खासतौर पर सुदूर इलाकों के मरीजों को लाभ होगा, जो आधुनिक चिकित्सा सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। टेलीसर्जरी के द्वारा हम किसी भी इलाके में स्थित मरीजों को सर्वोच्च गुणवत्ता की देखभाल मुहैया कराना चाहते हैं। भारत जैसे देश में जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी है और भोगोलिक सीमाएं इलाज में रूकावट बन जाती हैं, यह इनोवेशन बदलावकारी साबित होगा।

प्रेमभूषण महाराज पर हुई संतों की कृपावृष्टि

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में 14 से 22 जनवरी तक आयोजित श्रीरामकथा के तृतीय सत्र में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए पूज्यश्री ने कहा कि प्रभु जब कृपा करते हैं तब कोई उनका दास बनता है ।सब को ज्ञानी और भगत भी नही बनाया जा सकता। हर किसी का बनना विगड़ना प्रकृति के आधीन होता है। मनुष्य की बहुत ही सुंदर परिभाषा देते हुए पूज्यश्री ने कहा कि, भगवान की लीला से अज्ञानी को ही मनुष्य कहते हैं। पूज्यश्री ने अपनी कथा के माध्यम से लोगों को आगाह करते हुए कहा कि बाबा लोगों के आशीर्वाद पर आश्रित न रहे,इससे कुछ नही होने वाला है, यदि इससे कुछ होता तो दूसरे का मंगल करने वाले हमारे जैसे सब लोग इधर-उधर क्यों विचरण करते, भटकते? अतः सत्कर्म करते हुए जीवन पथ पर चलते रहे। गौर तलब है कि, आओ गायें रामकथा घर घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता, मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी प्रवक्ता के रूप में व्यासपीठ से सुखमय जीवन के मानस प्रेमसूत्र से श्रोताओं को लाभान्वित करते रहते हैं। पूज्यश्री वर्षों से एक लोकप्रिय भजन सुनाते हैं.. संतन के संग लाग रे तेरी अच्छी बनेगी.. जो तीर्थराज में आज अक्षरशः चरितार्थ होता दिखाई दे रहा था जब पूज्यश्री की महाकुंभ कथा में अनंत श्रीविभूषित पूज्यपाद द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद जी महाराज सहित अनेक संतों की पावन उपस्थित हुई और उनके दर्शन और आशीर्वाद की कृपावृष्टि से पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज सहित श्रोताओं का जनसैलाब धन्य धन्य हो गया।

टाटा मुंबई मैराथन 2025 में भाग लेंगे कैंसर सर्वाइवर

मुंबई। प्रतिष्ठित टाटा मुंबई मैराथन 2025 में दस कैंसर सर्वाइवर भाग लेंगे। दुनिया भर से आने वाले प्रतिभागियों के साथ लखनऊ के दो, दिल्ली के तीन, कोलकाता के एक और मुंबई के चार सर्वाइवर इस मैराथन कोर्स में दौड़ेंगे। ये सभी ह्यकैनकिड्स किड्सकैन भारत में बचपन के कैंसर में बदलाव लाने वाली राष्ट्रीय संस्था के बैनर तले ड्रीम रन श्रेणी में भाग लेंगे, जो उनकी ताकत और संकल्प का प्रतीक है। लगातार 15वें वर्ष, कैनकिड्स किड्सकैन इस प्रतिष्ठित इवेंट में भाग ले रहा है, जिससे बचपन में कैंसर से जूझ चुके सर्वाइवर्स की बहादुरी और आत्मबल को दशार्या जा सके। पिछले छह वर्षों से कैनकिड्स के सर्वाइवर नियमित रूप से इस मैराथन में भाग ले रहे हैं। सर्वाइवर हमारे मिशन का हृदय हैं, कैनकिड्स की संस्थापक-अध्यक्ष और स्वयं एक कैंसर सर्वाइवर, श्रीमती पूनम बागई ने कहा। ह्यटाटा मुंबई मैराथन में उनकी भागीदारी इस बात का प्रतीक है कि कैंसर से लड़ने और उसे हराने के लिए कितनी ताकत, आशा और दृढ़ निश्चय की आवश्यकता होती है। वे केवल सर्वाइवर ही नहीं, बल्कि योद्धा हैं, जो हम सभी को प्रेरित करते हैं। टाटा मुंबई मैराथन 2025 में भाग लेने वाले सर्वाइवरों में 17 वर्षीय सुमित गुप्ता भी शामिल हैं, जो वाराणसी के एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। 6 वर्ष की आयु में उन्हें तपेदिक (टीबी) हुआ और 11 वर्ष की उम्र में वे हॉजकिन्स लिम्फोमा (स्टेज 3) से पीड़ित हुए। सर्जरी, कीमोथेरेपी और कई मुश्किलों का सामना करते हुए भी उन्होंने अपने क्रिकेट के सपने को जीवित रखा। अब मुंबई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सुमित की यह भागीदारी उन सभी बच्चों के लिए आशा और प्रेरणा का प्रतीक है, जो कैंसर से संघर्ष कर रहे हैं।

निजिकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों का धरना-प्रदर्शन

-सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संघ के संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आवाहन पर शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी बनारस के बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज किया। भोजनावकाश अवधि में सिगरा स्थित बिजली कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि निजीकरण के बाद बड़े पैमाने पर बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं की न सिर्फ छटनी होगी, बल्कि निजीकरण के पहले ही आउटसोर्स कर्मियों को हटाया जा रहा है, इससे आहत बिजलीकर्मी अब अपना आंदोलन उग्र करेंगे।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि निजीकरण के बाद बिजली कर्मियों ,जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओं की बड़े पैमाने पर छंटनी होने वाली है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में कर्मचारियों के 44330 पद हैं। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में कर्मचारियों के 33161 पद है। निजीकरण होने के बाद यह 77491 पद समाप्त हो जाएंगे और स्वाभाविक तौर पर कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छटनी होगी। इसमें 50 हजार संविदा कर्मी, 23818 तकनीशियन और अन्य कर्मचारी, 2154 जूनियर इंजीनियरों और 1518 अभियंताओं के पद हैं।

संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण होने के पहले ही संविदा कर्मियों की छटनी की जा रही है जिससे बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा है। उन्होंने कहा कि निजीकरण के बाद दिल्ली और उड़ीसा में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों को वी आर एस देकर हटाया गया था। आगरा में टोरेंट पॉवर कंपनी ने पॉवर कॉरपोरेशन के एक भी कर्मचारी को नहीं रखा था। ग्रेटर नोएडा में नोएडा पॉवर कंपनी ने भी उप्र राज्य विद्युत परिषद के एक भी कर्मचारी को नहीं रखा था। इन सबको देखते हुए बिजली कर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण हेतु ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट नियुक्त करने के आर एफ पी डॉक्यूमेंट में अर्ली वी आर एस का उल्लेख किया गया है। सामान्यतया वी आर एस 30-35 साल की नौकरी वाले कर्मचारियों के लिए होता है किन्तु अर्ली वी आर एस से ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत कम सर्विस वाले कर्मचारियों की छुट्टी की जाने वाली है। सभा को सर्वश्री मायाशंकर तिवारी, ई एसके सिंह, विजय सिंह, रमाशंकर पाल, अभिषेक सिंह, मदन श्रीवास्तव, रामजी भारद्वाज, संतोष वर्मा, जमुना पाल, राजेश कुमार, मीडिया सचिव एवं प्रभारी अंकुर पाण्डेय आदि ने संबोधित किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। राजपूताना परिवार फाउंडेशन, महाराणा प्रताप स्मारक समिति, समर्थ मराठा संस्था एवं भारत विकास परिषद द्वारा वसई के वर्तक विद्यावर्धिनी महाविद्यालय के सभागार में विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को युवा दिवस मनाया गया. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक एकत्र हुए. इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संत तुकाराम जी के वंशज श्री अनिकेत जी महाराज प्रथम सत्र में सनातन धर्म के बारे में फैले हुए मिथकों तथा उसी के बारे में रहे हुए तथ्य पर अपना व्याख्यान दिए. हमारे संतों ने शस्त्र एवं शास्त्र यह दोनो विद्या सीखी एवं सीखायी तथा संत परंपरा हमेशा राष्ट्र प्रथम तथा धर्म को बाद में स्थान देती है, आदि बातें कही. द्वितीय सत्र में देश के प्रबुद्ध विचारक एवं सुविख्यात वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने युवाओं में राष्ट्रीय भावना जगाते हुए सनातन संस्कृति तथा देश पर हुए विभिन्न आक्रमणों का प्रभाव तथा देश में आजादी के बाद से रही हुई विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करके सभी श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया. डॉ. बाबासाहब अंबेडकर एवं संविधान के बारे में बताते हुए उन्होने कहा की भारतीय परंपरा के अनुसार संविधान के मूल प्रती में हिन्दू देवी देवताओं की तस्वीर थी जिसे हटाया गया, राजनीतिक पार्टियों ने बार-बार संविधान में बदलाव कर बहुसंख्य हिन्दूओं पर अन्याय किया.उन्होने कहा की देश का सोया हुआ हिन्दू ही हिन्दुराष्ट्र की निर्मिती में सब से बडी रुकावट है. अंबेडकर की लिखी किताब का हवाला देते हुए कहा की देश का मुसलमान जिहादी है तथा भारतीय कानून से ज्यादा वे शरियत के कानून को मानते हैं.आदि मुद्दों को स्पर्श करते हुए उन्होंने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जो सभी श्रोता लगातार 3 घंटे तक शांतिपूर्वक बैठकर सुनते रहे. कार्यक्रम के प्रारंभ में बौद्ध संत भन्ते कीर्तिप्रियू नागसेन, आरएसएस के जिलाप्रमुख उमेश मिस्त्री एवं नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ.ओमप्रकाश दुबे इन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया.राजपूताना परिवार के अध्यक्ष दद्दन सिंह ने संत अनिकेत मौर्य महाराज, प्रमुख वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ, मार्गदर्शक डॉ. ओमप्रकाश दूबे इनका शाल श्रीफल गुलदस्ता तथा स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया. दूसरे सत्र के आरंभ में दद्दन सिंह जी ने इस कार्यक्रम के आयोजन के बारे में श्रोताओं को अपने मन के विचार से अवगत कराया. डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने दद्दन सिंह जी के राजपूताना परिवार द्वारा अनेक वर्षों से किये जा रहे राष्ट्रजागरण के कार्य एवं सनातन संस्कृति तथा सभ्यता के प्रचार प्रसार के कार्य के बारे में श्रोताओं को विस्तार से जानकारी दी. कार्यक्रम के अंत में दद्दन सिंह जी ने उपस्थित सभी श्रोताओं का वक्ताओं का एवं कार्यक्रम से संबंधित अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया उत्तम अल्पोपहार के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई

छात्रवृत्ति के लिए पिता का लगेगा आय प्रमाण : नीरज पटेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने अवगत कराया है कि निदेशालय समाज कल्याण उ०प्र० लखनऊ द्वारा पूर्वदशम / दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनु० जाति / अनु० जनजाति / सामान्य वर्ग छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत जिन छात्र/छात्राओं द्वारा अपने माता-पिता/अभिभावक के स्थान पर स्वंय के नाम से निर्गत आय-प्रमाण पत्र का प्रयोग छात्रवृत्ति आनलाइन में किया गया है को वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवेदन पत्रों को जनपद स्तरीय समिति के स्तर से निरस्त किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। ऐसे छात्रों को समय सारिणी के छात्रों के स्तर से आवेदन पत्रों में करेक्शन की अवधि में माता-पिता/अभिभावक अथवा पिता,जैसा लागू हो के नाम से निर्गत आय प्रमाण पत्र के संशोधन का अवसर प्रदान किया जायेगा। ऐसे छात्रों को संस्थाओं के माध्यम से यह अवगत करा दिया जाय कि वे सभी पिता के नाम से आय प्रमाण पत्र जारी करा लें तथा करेक्शन की अवधि मे पिता के नाम का आय प्रमाण पत्र का प्रयोग आनलाइन आवेदन में करें ।उक्त के क्रम में जनपद के सभी संचालित शिक्षण संस्था के प्रबन्धक / प्राचार्य / प्रधानाचार्य को अवगत कराया जाता है कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सस्पेक्ट डाटा को संशोधित किये जाने की तिथि 5 फरवरी, 2025 से 10 फरवरी, 2025 तक व पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सस्पेक्ट डाटा को छात्र स्तर से संशोधित किये जाने की तिथि 29 जनवरी, 2025 से 3 फरवरी, 2025 तक है और संशोधित आवेदन पत्र छात्र विद्यालय में जमा करे। जिससे नियत समय सारिणी के अन्तर्गत विद्यालय से आवेदन पत्र पुनः अग्रसारित किया जाय। आप अपने संस्था के ऐसे छात्रों को वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करनें के साथ ही विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर उक्त सूचना को चस्पा करना सुनिश्चित करें।

गठित जनपद स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जनपद में आधार संबंधी गतिविधियों के अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन हेतु गठित जनपद स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने आधार से संबंधित पेंडेंसी, जन्म प्रमाण पत्र आदि के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आधार कार्ड बनाने के कार्य को गति दी जाए। प्राइमरी स्कूल के बच्चों, आंगनवाड़ी के बच्चों का भी आधार कार्ड बनाने के निर्देश समस्त उप जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी को दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र के कारण जिनका आधार कार्ड नहीं बन पाया है नए शासनादेश के अंतर्गत उनका भी आधार कार्ड नियमानुसार बनाया जाए तथा सभी अवशेष बच्चों का भी जन्म प्रमाण पत्र तत्काल बनाया जाए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, उप जिलाधिकारीगण, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरुण कुमार यादव, सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।